तापमान
अधिकतम 28.3 डिग्री
न्यूनतम 8.5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 23 नवंबर 2025

12 रियायती दरों पर उपलब्ध करवाई स्वास्थ्य सुविध

12 पार्टी लाइन से हटकर बयान देने से बाज आएं : मलिक

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने पर सेवादार की दर्दनाक मौत

अंबाला। ट्रेन की चपेट में आने वाले सेवादार की मौत हो गई। हादसा अंबाला-सहारनपुर रेल खंड पर तंदवाल और बराड़ा रेलवे स्टेशन के मध्य हुआ। जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। जीआरपी के मुख्य सिपाही प्रदीप ने बताया कि मृतक की शिनाख्त दरगाह के मुख्य सेवादार अनिल ने की है। मृतक की पहचान बिलासपुर के रुलिया (55) के तौर पर हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

नए श्रम संहिताओं के विरोध में प्रदर्शन 26 को

कुरुक्षेत्र। जनसंघर्ष मंच हरियाणा के राज्य प्रधान कामरेड फूल सिंह की अध्यक्षता में शहीद भगत सिंह दिशा संस्थान में जन संघर्ष मंच हरियाणा, मनरेगा मजदूर यूनियन, एवं निर्माण कार्य मजदूर मिस्त्री यूनियन के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए मजदूर विरोधी चार नए श्रम संहिताओं का कड़ा विरोध किया गया तथा निन्दा की गई। निर्णय लिया गया कि 26 नवंबर को विरोध में प्रदर्शन होंगे।

सिंगापुर भेजने के नाम पर 1.5 लाख रुपए ठगे

यमुनानगर। सिंगापुर भेजने के नाम पर गांव सारण निवासी गौरव से एक लाख पांच हजार रुपए हड़प लिए गए। आरोप जसमीत सिंह बाजवा पर लगा है। गांव सारण निवासी गौरव ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रोजगार के लिए विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उसे पता चला कि जसमीत सिंह बाजवा लोगों को विदेश भेजने का काम करता है। गत अगस्त महीने में वह आरोपी जसमीत से मिला। आरोपी ने उसे सिंगापुर भेजने का आश्वासन दिया। आरोपी ने उसे सिंगापुर भेजने के नाम पर एक लाख पांच हजार रुपए ले लिए मगर इसके बाद आरोपी ने उसे सिंगापुर नहीं भेजा। जब उसने आरोपी से बात की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

मंडी से धान की 14 बोरी चोरी, मामला दर्ज

जींद। गांव अलेवा अनाज मंडी से 14 बोरी धान फसल की गायब होने पर अलेवा थाना पुलिस ने आढ़ती की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज किया है। गांव गोहिया निवासी यशपाल ने शिकायत में बताया कि उसकी गांव अलेवा मंडी में आढ़त की दुकान है। बीती रात चोरों ने 14 बोरी धान फसल की चोरी कर ली। घटना का सुबह उस समय पता चला जब उसने अपने स्टॉक को संभाला।

मारपीट करने पर चार के खिलाफ मामला दर्ज

जींद। गांव नगूरां में रंजिशन महिला के साथ मारपीट करने पर अलेवा थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव नगूरां निवासी नीलम ने बताया कि उसकी पडोसी संदीप परिवार से कहासुनी हो गई।

कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन जारी

ब्रह्मसरोवर के चारों तरफ बिखर गई भारतीय संस्कृति की महक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

ब्रह्मसरोवर के पावन तटों पर भारतीय संस्कृति की महक को दूर-दूर तक महसूस किया जा रहा है। इस संस्कृति की महक का एहसास करने के बाद एकाएक देश-विदेश के लोग अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की ओर खिंचे चले आ रहे है।

इस महोत्सव में जहां शिल्पकार अपनी शिल्पकला से पर्यटकों को मोहित कर रहे है, वहीं विभिन्न प्रदेशों के लोक कलाकार पर्यटकों का खूब मनोरंजन कर रहे है।

■ विभिन्न प्रदेशों के लोक कलाकार पर्यटकों का मनोरंजन कर रहे

ब्रह्मसरोवर की सदरियों में लगे स्टॉलों में भा र ती य संस्कृति को दर्शन करवाती अद्भुत शिल्पकला से भारतीय संस्कृति की महक चारों तरफ फैल चुकी है और यहां पर आने वाले पर्यटक इसका जमकर आनंद उठा रहे है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव शिल्प और सरस मेले के 8वें दिन सुबह और शाम के समय दूर-दराज से आने वाले पर्यटकों का विभिन्न प्रदेशों के लोक कलाकार मनोरंजन करने का काम कर रहे है। उत्तरी तट पर जहां राजस्थानी लोक कलाकार कच्ची घोड़ी नृत्य की प्रस्तुति देकर पर्यटकों को नृत्य करने के लिए उत्साहित कर रहे है, वहीं उत्तर पश्चिमी तट पर बीन-बांसुरी की धुन पर लोक कलाकार भी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे है। इस पावन तट के चारों तरफ किसी न किसी प्रदेश के कलाकार, बाजीगर, बहरुपिए भी पर्यटकों को लुभा रहे थे।

शनिवार को इस शिल्प मेले की रौनक को बढ़ाने का काम विभिन्न राज्यों से आए पर्यटकों व विद्यार्थियों ने किया। आसमान में खिली धूप ने महोत्सव के माहौल को और भी मनमोहक कर दिया, महोत्सव में आए विद्यार्थियों व पर्यटकों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का जमकर लुत्फ उठाया। बच्चों, जवान और बुजुर्गों ने महोत्सव में जमकर खरीददारी की और विभिन्न प्रदेशों से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान मदमस्त होकर नृत्य किया। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रशासन की तरफ से महोत्सव में पर्यटकों, शिल्पकारों, कलाकारों के लिए अच्छे प्रबंध किए गए है और यह सरस और शिल्प मेला पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। महोत्सव में 24 नवंबर से शुरू होने वाले मुख्य कार्यक्रमों के लिए केडीबी और प्रशासन द्वारा सभी तैयारियों को पूरा किया जा रहा है ताकि महोत्सव में आने वाले पर्यटकों को महोत्सव के दौरान सुखद अनुभूति मिले और वह यहां से अच्छी यादें अपने साथ लेकर वापिस जाएं।

कुरुक्षेत्र। ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का सजने लगा मंच

कुरुक्षेत्र। गीता महोत्सव के दौरान पुरुषोत्तमपुरा बाग में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की राज्यस्तरीय प्रदर्शनी, विदेशी शिल्पकारों के स्टॉल और मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंच सजने लगा है। 24 नवंबर को गीता यज्ञ और गीता पूजन से मुख्य कार्यक्रमों का आगाज होगा और 1 दिसंबर को दीपदान के साथ संपूर्ण हो जाएंग, जबकि सरस और शिल्प मेला 5 दिसंबर 2025 तक चलेगा। ब्रह्मसरोवर पुरुषोतमपुरा बाग में 24 नवंबर से जनसंपर्क विभाग की तरफ से राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन होगा।

लोक वाद्य यंत्रों की सुरीली धुनों से पर्यटक हो रहे मंत्रमुग्ध

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में ब्रह्मसरोवर के तट पर पर्यटकों के मनोरंजन के लिए तरह-तरह के लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। महोत्सव में ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर कई ढोल-नगाड़े के साथ-साथ डेरू वाले संगीत ने पर्यटकों को नाचने पर मजबूर कर रहे है। गौरतलब है कि 15 नवंबर से ही शिल्प और सरस मेले की शुरूआत के साथ ही यह कलाकार महोत्सव में पहुंच गए थे और लगातार अपने-अपने राज्यों के लोक नृत्यों के माध्यम से पर्यटकों का मनोरंजन करने का काम कर रहे है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में 5 दिसंबर तक चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय क्राफ्ट और सरस मेले में पर्यटकों के मनोरंजन के लिए और इस महोत्सव को भव्य स्वरूप देने के लिए कई तरह के लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाए जा रहे है। इस महोत्सव में जहां एक और हरियाणा और पंजाब की लोक संस्कृति देखने को मिल रही है, वहीं दूसरी ओर जम्मू एंड कश्मीर, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, वेस्ट बंगाल, महाराष्ट्र, असम, त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय, दिल्ली, लद्दाख सहित कई राज्यों की अद्भुत लोक संस्कृति देखने को मिल रही है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में आने वाले पर्यटक इन राज्यों की अद्भुत और संगीतमय लोक संस्कृति को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए है। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक कला केंद्र पटियाला के अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि महोत्सव में इन लोक कलाकारों ने अपना जौहर और अपने-अपने राज्यों की लोक संस्कृति को ब्रह्मसरोवर के तट पर दिखाकर इस भव्य आयोजन को और भव्य बनाने का काम किया है। इन लोक कलाकारों ने इस महोत्सव में ऐसा रंग भर दिया है कि इनको देखने वाले पर्यटकों को नाचने पर मजबूर कर दिया है। इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की गूंज यहां ही नहीं बल्कि दूसरे राज्यों में भी सुनने को मिल रही है, दूर दराज से आने वाले पर्यटक जहां अपने राज्यों में जाने के बाद भी इस महोत्सव की जमकर प्रशंसा कर रहे है, वहीं इस महोत्सव के यादगारी पलों को अपने मोबाईल कैमरों में कैद करने का काम भी कर रहे है। यह पर्यटक इस महोत्सव का का सारा दिन खूब आनंद लेकर सुनहरी यादों के साथ अपने-अपने घरों को लौट रहे है।

दस्तावेज करें पूरे, जल्द शुरू होगा पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

■ राज्य फार्मेसी परिषद ने लंबित पंजीकरणों के लिए दिया मौका

हरियाणा राज्य फार्मेसी परिषद ने पंजीकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुगम करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। जिन आवेदकों द्वारा पंजीकरण के लिए अभी तक अपने दस्तावेज़ परिषद में जमा नहीं किए गए हैं उनको यह प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त अवसर देने का निर्णय लिया

राज्य फार्मेसी परिषद की रजिस्ट्रार अंकिता अधिकारी ने बताया कि जिन उम्मीदवारों ने फार्मेसी में पंजीकरण के लिए पहले अपने दस्तावेज़ जमा नहीं किए थे उन्हें अब परिषद की वेबसाइट पर उपलब्ध ताज़ा दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढना चाहिए। आवेदकों को अपने लंबित दस्तावेज़ों के साथ देरी का कारण बताते हुए एक लिखित प्रस्तुतीकरण भी जमा करना होगा।

प्रमाण-पत्रों का सत्यापन

विशेषकर हरियाणा के बाहर स्थित संस्थानों द्वारा जारी किए गए फार्मेसी के प्रमाण-पत्रों का उनके संबंधित विश्वविद्यालयों, बोर्डों या फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया अथवा मान्यता प्राप्त संस्थानों से सत्यापन करवाना अनिवार्य है। इसके अलावा, आवेदकों को यह शपथ-पत्र भी देना होगा कि वे किसी अन्य राज्य की फार्मेसी परिषद में पंजीकृत नहीं हैं। अधिकारी ने कहा कि वास्तविक प्रक्रिया संबंधी या सत्यापन से जुड़े कारणों के चलते किसी भी पात्र उम्मीदवार को पंजीकरण से वंचित नहीं किया जाएगा। उन्होंने परिषद द्वारा पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुगम सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य फार्मेसी परिषद में पंजीकरण प्रक्रिया से संबंधित अधिक जानकारी या सहायता के लिए आवेदक कार्य-समय के दौरान परिषद के कार्यालय से संपर्क कर सकते है। परिषद की वेबसाइट पर उपलब्ध आधिकारिक संचार माध्यमों का उपयोग भी कर सकते हैं।

पीएम के पोस्टर पर कालिख पोतने का मामला

कांग्रेस नेता रजत लाठर की गिरफ्तारी से राजनीतिक माहौल गर्माया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

■ भाजपा नेता त्रिलोचन सिंह ने की थी शिकायत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर वाले पोस्टर पर कालिख पोतने के मामले में करनाल पुलिस ने युवा कांग्रेस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष रजत लाठर और उसके साथी अशोक को सोमवार को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। अदालत ने दोनों को जमानत दे दी। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

रविवार को बस स्टैंड के पास लगे पोस्टर पर कालिख पोतने का वीडियो सोशल मीडिया पर फैल गया। वीडियो के आधार पर पुलिस ने रजत लाठर के खिलाफ मामला दर्ज किया और सोमवार सुबह उसे गिरफ्तार कर लिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश वैध ने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीकों से विरोध करती है और पोस्टर पर कालिख पोतने जैसी घटना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य कांग्रेस की नीति नहीं हैं और वह इसकी निंदा करते हैं। कांग्रेस नेता सतीश राणा ने भी फेसबुक पोस्ट के माध्यम से घटना को शर्मनाक बताया और कहा कि इस तरह के कृत्य राजनीति का स्तर गिराते हैं। भाजपा नेता त्रिलोचन सिंह ने कहा कि उन्हें एक वीडियो मिला, जिसमें रजत लाठर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर पर कालिख पोतते दिखाई दे रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कृत्य उनके लिए असहनीय था। उन्होंने एसपी करनाल को पत्र लिखकर सख़्त कार्रवाई की मांग की और स्पष्ट कहा कि अगर प्रधानमंत्री का अपमान करने वालों पर कार्रवाई नहीं हुई तो किसी भी टकराव की स्थिति की ज़िम्मेदारी सरकार की होगी।उन्होंने बताया कि शिकायत की प्रति उन्होंने सीएम हाउस और विधायक जगमोहन आनंद को भी भेजी। युवा कांग्रेस का कहना है कि उनका अभियान "वोट चोरी" के मुद्दे पर चल रहा है। रजत लाठर का आरोप है कि वोट चोरी करके सरकार बनाई गई है और वे गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं कि लोकतंत्र किस तरह प्रभावित होता है।

सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत

कुरुक्षेत्र। पिहोवा-कुरुक्षेत्र रोड पर गांव मुकीमपुरा के समीप बाइक सवार 2 दोस्तों को किसी वाहन ने कुचल दिया। इससे उन दोनों की मौके पर ही मौत गई। दोनों बाइक पर पिहोवा से कुरुक्षेत्र जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान आलोक कुमार (21) निवासी मोहनपुर और उसके दोस्त पार्थ उर्फ गोलू (20) निवासी मेन बाजार पिहोवा (18) के रूप में हुई है। आलोक और गोलू कुरुक्षेत्र के सेंटर में पीटीई का कोर्स कर रहे थे और सुबह बाइक पर क्लास लगाने कुरुक्षेत्र सेंटर जा रहे थे। घटना सुबह करीब साढ़े 8 बजे की बताई जा रही है। आलोक के पिता सुखवंत सिंह का पास के ही गांव कराह साहिब में मेडिकल स्टोर है। कुछ दिन पहले एक झगड़े में बीच-बचाव करने के दौरान सुखवंत सिंह को ज्यादा चोट लग गई थी, तब से सुखवंत सिंह बिस्तर पर है। उधर, गोलू के पिता दीपक कुमार केबल का काम करते हैं। गोलू अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था, उसकी 2 बहनें हैं। गोलू पीटीई करके विदेश जाना चाहता था। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चौकीदार की मौजूदगी में सेफ हाउस से तीन बच्चे फरार

अंबाला। कर्मभूमि एक्सप्रेस से संरक्षण में लिए गए तीन किशोर सेफ हाउस से भाग गए। बताया जाता है कि जिस समय बच्चे भागे उस समय एक ही चौकीदार था। वह भी गेट पर तैनात था। सेफ हाउस की पिछली दीवार भी छोटी है, ऐसे में बच्चे भागने में कामयाब हुए। इसके बाद सुबह चौकीदार ने जिला बाल कल्याण समिति को इस घटना की जानकारी दी। समिति के पदाधिकारियों ने खुद से ही बच्चों को खोजने का दिनभर काम किया। इसके बाद शाम को पांच बजे समिति की अध्यक्षा रंजीता सचदेवा ने सिटी थाने की पुलिस को घटना की जानकारी दी। तीनों बच्चों की तलाश जारी है। मामले में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। दूसरी तरफ जीआरपी ने बच्चों सहित पकड़े गए दोनों संदिग्धों को नोटिस देकर छोड़ दिया है। मामले से संबंधित रिपोर्ट जिला बाल कल्याण समिति पेश नहीं कर पाई। बता दें कि ट्रेन नंबर 12407 कर्मभूमि एक्सप्रेस से जिला युवा विकास संगठन सहित आरपीएफ व जीआरपी ने छह बच्चों को वीरवार दोपहर संरक्षण में लिया था। इनमें तीन बच्चे नेपाल के मोहतारी जिले के थे। तीन बच्चे कटिहार व सहरसा बिहार के थे। तीनों बच्चों को जिला बाल कल्याण समिति के निर्देश पर रात्रि ठहराव के लिए अंबाला शहर के सेफ हाउस में रखा गया था लेकिन इनमें से तीन बच्चे रात को सेफ हाउस से निकल गए। जिला बाल कल्याण समिति की चेयरपर्सन रंजीता ने बताया कि कर्मभूमि एक्सप्रेस से संरक्षण में लिए गए बच्चों की काउंसलिंग होनी थी लेकिन जब उन्हें जानकारी मिली कि तीन बच्चे सेफ हाउस से भाग गए है तो यह प्रक्रिया रोक दी गई है। बच्चों की तलाश आरंभ की गई।

■ कर्मभूमि एक्सप्रेस से छह किशोरों को किया था जब्त, हिरासत में लिए संदिग्ध भी जीआरपी ने किए रिहा

मेरा पसंदीदा श्लोक साझा करें और इनाम पाएं

जींद। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत गीता ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मेरा पसंदीदा श्लोक ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। डीआईपीआरओ कृष्ण कुमार ने बताया कि प्रतिभागियों को गीता के किसी भी श्लोक से जुड़ा अपना प्रेरणादायक अनुभव 40 सेकेंड के वीडियो के रूप में सांझा करना होगा।

उत्तरप्रदेश की दमकल गाड़ी ने मौके पर पहुंच कर बुझाई आग

हथिनीकुंड बैराज पर कार में आग लगने से धमाका

■ गाड़ी से धुआं उठता देख बाहर आ गया था युवक व उसकी भाभी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

हरियाणा उत्तर प्रदेश सीमा पर स्थित हथिनीकुंड बैराज के पुल पर शनिवार सुबह एक्सयूवी गाड़ी में आग लग गई। आग लगने से गाड़ी में जोरदार धमाका हुआ।

गनीमत यह रही की गाड़ी चालक व उसकी भाभी समय रहते गाड़ी से नीचे उतर गए थे वरना बड़ा हादसा हो सकता था। आग लगने की सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दमकल विभाग को घटना की सूचना दी। दमकल विभाग की गाड़ी में मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार यूपी के गांव पठलोकर निवासी तैयब अपनी भाभी नसीमा के साथ हरियाणा के गांव मालीमाजरा में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। जब यमुना नदी पर बने हथिनीकुंड बैराज पर पहुंचे तो सामने से आ रहे बाइक सवार ने गाड़ी रुकवाई। गाड़ी के बोनट से धुआं निकल रहा था। तयैब व उनकी भाभी गाड़ी से उतरे। बाइक सवार युवक ने बोनट व बंपर खोला। तभी अचानक आग का गुब्बार निकला। आसपास के लोग दूर हट गए। तभी अचानक जोर का धमाका हुआ।

जानकारी के अनुसार यह गाड़ी प्रतापनगर के अनीश के नाम है। जबकि गाड़ी का इस्तेमाल उत्तर प्रदेश निवासी उसके मामा का बेटा तैयब करता है। गाड़ी हरियाणा के ही व्यासपुर में पंजीकृत है। गाड़ी में आग लगने की सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश व हरियाणा की पुलिस मौके पर पहुंची। उत्तर प्रदेश की पुलिस ने पहले मौके पर पहुंचकर आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी। दमकल विभाग की एक गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग लगने से कार पूरी तरह से जल गई। गाड़ी में आग लगने से हथिनी कुंड बैराज के दोनों साइडों में वाहनों की लंबी लाइन लग गई। जिसमें आर्मी की गाड़ी, एंबुलेंस व अन्य वाहन फंस गए। पुलिस ने दमकल विभाग की सहायता से गाड़ी की आग बुझाकर पहले आर्मी की गाड़ियां व एंबुलेंस को निकाला। बाद में अन्य जाम खुलवाया। दोपहर 12 बजे तक हथिनीकुंड बैराज पर स्थिति सामान्य हुई।

यमुनानगर। हथिनी कुंड बैराज पर गाड़ी में लगी आग।

जिले में सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

यमुनानगर। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव रामखेड़ी निवासी अवतार ने व्यासपुर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका पिता 70 वर्षीय जसवंत शुक्रवार रात आठ बजे अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी पर घर लौट रहा था।

जब वह गांव चंगनोली के पास पहुंचा तो तेज गति से आ रही कार ने उसके पिता की स्कूटी को टक्कर मार दी। जिससे उसका पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने उसे हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचा और अपने पिता को अस्पताल में भर्ती करवाया।

एसबीआई ब्रांच से 40 लाख रुपये गायब

■ बैंक के कैशियर व अकाउंटेंट के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की पिहोवा ब्रांच से 40 लाख रुपए के नोट की गड्डियां गायब हो गईं। नोट गायब होने का खुलासा तब हुआ, जब ब्रांच मैनेजर ने रूटीन जांच की और सीसीटीवी फुटेज खंगाली।

मामले में बैंक के ही 2 कर्मियों पर गड्डियां गायब करने का आरोप लगा है। रकम पिहोवा ब्रांच की करेंसी चेस्ट से गायब मिली है। ब्रांच मैनेजर तरसेम लाल ने दोनों कैशियर-अकाउंटेंट से कैश गायब होने पर पूछताछ की, लेकिन दोनों कर्मी कोई जवाब नहीं दे पाए। इसके बाद उन्होंने पुलिस में दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। ब्रांच मैनेजर तरसेम लाल के मुताबिक 18 नवंबर सुबह करीब 9:30 बजे बैंक में रूटीन जांच की गई। इस जांच में करेंसी चेस्ट के बिन नंबर 26 का निरीक्षण किया गया। बैंक रिकॉर्ड में इस बिन में 90 गड्डियां होनी चाहिए थी, लेकिन चेस्ट में सिर्फ 82 गड्डियां मिलीं। इन 8 गड्डियों के गायब होने से बैंक के 40 लाख रुपए कम पाए गए। इस पर मैनेजर ने कैश ऑफिसर रवि कुमार और अकाउंटेंट करण पाल से पूछताछ की।

दोनों कर्मी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए, तब बैंक की सीसीटीवी फुटेज जांची गई। इससे खुलासा हुआ कि 10 नवंबर को आखिरी निकासी के बाद शेष बंडलों की सही जांच नहीं की।

खबर संक्षेप

छात्राओं स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

करनाल। डॉ. गणेश दास डीएवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन फॉर वूमेन, करनाल की छात्राओं ने प्राचार्य डॉ. राकेश संधू और प्रभारी अध्यापिका डॉ. रमणजीत कौर के निरीक्षण में बी.एड. प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष की छात्रा-अध्यापिकाओं के साथ 21 नवंबर 2025 को भैणी खुर्द गांव में स्वस्थ बेटी स्वस्थ भारत के अंतर्गत मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता अभियान आयोजित किया। अभियान के दौरान छात्राओं ने स्किट, व्याख्यान और योग के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों को बताया कि मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, स्वास्थ्य और खान-पान का ध्यान किस प्रकार रखना चाहिए। उन्होंने जंक फूड से बचने, पौष्टिक आहार लेने तथा कैल्शियम व आयरन से भरपूर भोजन के महत्व पर जोर दिया।

हरिनाम में सभी संकटों का समाधान निहित

करनाल। सेक्टर-7 के श्री गंगा मौर्या एन्क्लेव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में कथा वाचिका डॉ. रुकमणि दास ने कहा कि कलयुग में हरिनाम संकीर्तन ही भगवान की भक्ति का सरल और सर्वोत्तम मार्ग है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में ही मानवता की सभी कठिनाइयों का समाधान छिपा है और धर्म हमेशा प्रेम, करुणा और सद्भाव का संदेश देता है।
उन्होंने भगवान कृष्ण के जन्म प्रसंग का मनोहारी व भावपूर्ण वर्णन कर भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा स्थल पर आयोजित प्रवचनों में मुख्य यजमान रामकिशन गोयल और उनका परिवार सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। वरिष्ठ नागरिक मंच के पूर्व प्रधान ओ.पी. गर्ग, समाजसेवी विनोद अग्रवाल, वंदना गोयल, डॉ. विजय सिंगला सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

कैनरा बैंक ऑफिस में विशेष योग सत्र आयोजित

करनाल। मेरा मिशन स्वस्थ भारत द्वारा कैनरा बैंक करनाल के सर्कल ऑफिस में योग गुरु एवं मिशन संचालक दिनेश गुलाटी ने विशेष योग प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। बैंक प्रबंधन एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
सत्र में महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख जी.ए. अनुपम, सहायक महाप्रबंधक ज्ञानेंद्र साहू, अरुण कुमार एन, मंडल प्रमुख मंजू रानी, प्रबंधक प्रतीक खुराना व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।
गुलाटी ने कहा कि योग सभी रोगों के निवारण की कुंजी है और शरीर को दीर्घायु बनाता है। कर्मचारियों को ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, उष्ट्रासन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम सहित विभिन्न सूक्ष्म क्रियाएँ, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास करवाया गया।
सत्र के अंत में कर्मचारियों ने भविष्य में भी नियमित योग करने का संकल्प लिया।

करनाल से बड़ी संख्या में जनसैलाब उमड़ने की उम्मीद

कुरुक्षेत्र में 25 को राज्यस्तरीय समागम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे मुख्य अतिथि

हरियाणा के चारों ओर से गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित यात्राएं निकाली जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

राज्यस्तरीय समागम की जानकारी देते विधायक जगमोहन आनंद व अन्य।

करनाल। आयोजन की जानकारी देते आयोजक। *फोटो : हरिभूमि*

हिंद की चादर-श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को नमन करने के लिए हरियाणा सरकार की ओर से 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में राज्यस्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शरीक होंगे। देशभर से लाखों श्रद्धालु और विविध धर्म-सम्बन्धी प्रतिनिधि इस समागम में भाग लेने के लिए कुरुक्षेत्र पहुंचेंगे। करनाल से भी बड़ी संख्या में नागरिक एवं संगठनों के दल शामिल होंगे। शनिवार को डेरा कार सेवा में भाजपा नेता त्रिलोचन सिंह के आह्वान पर आयोजित प्रेसवार्ता में करनाल विधायक जगमोहन आनंद, मेयर रेणु बाला गुप्ता तथा हरियाणा अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरमैन त्रिलोचन सिंह ने पत्रकारों से बात की और समागम की तैयारियों की जानकारी दी। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि 25 नवम्बर का दिन हरियाणा व समूचे देश के लिए ऐतिहासिक रहेगा। यह सौभाग्य की बात है कि गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत शताब्दी कुरुक्षेत्र की पवित्र धरती पर मनाई जा रही है।

व्यवस्थाओं की दी जानकारी

विधायक जगमोहन आनंद ने आगे बताया कि समागम के लिए लगभग 200 एकड़ में विशाल पांडाल व व्यवस्थाएं बनाई जा रही हैं मेयर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी के आदर्श व बलिदान का संदेश समाज के समस्त वर्गों तक पहुँचना चाहिए। त्रिलोचन सिंह ने बताया कि हरियाणा के चारों ओर से गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित यात्राएँ निकाली गईं जो कुरुक्षेत्र में विश्राम लेने के बाद समागम का हिस्सा बनेंगी। प्रेसवार्ता में करनाल के कई स्थानीय पार्षद व समाजसेवी भी उपस्थित रहे जिनमें पार्षद हरजीत सिंह लाडी, मनिन्द्र सिंह शंटी, जितेंद्र सिंह (सरपंच), मेवा सिंह (सरपंच), सूरत सिंह रूखसाना, कर्मपाल सिंह, तेजपाल सिंह, इंद्रजीत सिंह, होशियार सिंह, परमजीत सिंह बेदी, जज सिंह जलमाना, जुझार सिंह, सुखविंद्र सिंह, गगन मेहता, राजिंद्र पप्पी, गगन जुनेजा, सतनाम सिंह जोशी व हरपाल सिंह जलमाना आदि शामिल थे।

गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी शताब्दी पर करनाल में विशेष गुरमत समागम

करनाल। साहिब-ए-कमाल श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी शताब्दी के मौके पर रविवार, 23 नवंबर को करनाल की संगत एक ऐतिहासिक अवसर का लाभ उठाएगी। सिख पंथ की विरासत से जुड़े गुरु गोबिंद सिंह जी की महान निशानियां करनाल लायी जा रही हैं, जिनमें गुरु साहिब के हुक्मनामें, अकाल बूंगा (वर्तमान अकाल तख़्त साहिब) से जारी असल हुक्मनामा, गुरु हर राय साहिब काल की बँसावली नामा और सुच्चे सुनहरे तिल्ले से बना प्राचीन चंदोआ शामिल है।इन पवित्र निशानियों को भाई मति दास व भाई सती दास की नौवीं पीढ़ी तथा महान शहीद भाई परागा की तेरहवीं पीढ़ी से भाई चरणजीत सिंह लेकर आ रहे हैं। इक ओंकार मीडिया के प्रबंध निदेशक प्रीतपाल सिंह पन्नू, दशमेश अखाड़ा व इंटरनेशनल सिख फोरम से गुरतेज सिंह खालसा ने बताया कि डेरा कार सेवा में बाबा सुखा सिंह के मार्गदर्शन में सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक अखंड कीर्तन समागम आयोजित होगा। सिख पंथ के महान रागी भाई भूपिंदर सिंह, भाई जबरतोड़ सिंह, भाई गुरदेव सिंह (ऑस्ट्रेलिया) तथा भाई जगमोहन सिंह (पटियाला) संगत को कीर्तन रस में डुबो देंगे।

गुरु नानक खालसा कॉलेज करनाल का 56वां स्थापना दिवस शुरू

■ इंटर कॉलेज शब्द-गायन प्रतियोगिता में गुरबाणी से भाव-विभोर हुए श्रोता

हरिभूमि न्यूज करनाल। गुरु नानक खालसा कालेज करनाल ने अपना 56वां स्थापना दिवस आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाना शुरू कर दिया है। चार दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन इंटर कॉलेज शब्द-गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा के कई महाविद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने गुरबाणी के मधुर कीर्तन से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार लैफ्टिनेंट डॉ. वीरेंद्र पाल रहे। उन्होंने कहा कि अपनी शिक्षण यात्रा की शुरूआत इसी कॉलेज से करने के बाद आज यहां आना गर्व का विषय है। कालेज प्रबंधन समिति के प्रधान स. कंवरजीत सिंह प्रिंस ने स्थापना दिवस का इतिहास साझा करते हुए बताया कि 1969 में गुरु नानक देव जी की 500वीं जयंती पर कालेज की नींव बाबा निक्का सिंह जी ने रखी थी, और आज कालेज प्रदेश के प्रमुख संस्थानों में शुमार है। कालेज के प्राचार्य डॉ. चुहड़ सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया और पितृस्मरण करते हुए पूर्व प्राचार्यों व प्रबंधकों के योगदान को याद किया।

प्रतियोगिता परिणाम

केवीएए डीएवी कॉलेज (11,000 रुपये व मेडल) दूसरा पुरस्कार : गुरु नानक खालसा कॉलेज करनाल (5,100 रुपये) तीसरा पुरस्कार : गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज यमुनानगर (3,100 रुपये) निर्णायकों में प्रो. डॉ. तरुण जोशी, स. कुलवंत सिंह और सुरजीत कौर शामिल रहे। साथ ही दस्तार सजौणा प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें अंशप्रीत सिंह प्रथम हर्षदीप सिंह द्वितीय अरमानजोत सिंह तृतीय रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जतिंद्र पाल सिंह ने किया। प्रबंधन समिति के महासचिव स. सुरेंद्रपाल सिंह पसरीचा ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में कालेज स्टाफ, पूर्व प्राचार्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एथलीट मीट में युवराज व तमन्ना बने बेस्ट एथलीट

■ पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में एथलीट मीट का भव्य समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

एथलीट मीट के समापन पर मुख्य अतिथि एवं विजेता खिलाड़ी।)

पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में आयोजित 46वीं वार्षिक दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का शानदार समापन हुआ। सैकड़ों विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में भाग लेकर प्रतिस्पर्धा की। इस वर्ष के एथलेटिक मीट में युवराज (लड़के) और तमन्ना (लड़कियाँ) को बेस्ट एथलीट का खिताब दिया गया।
समापन समारोह में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर एवं समाजसेवी डी.के. कालरा ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि युवा वर्ग नशे जैसी बुराइयों से दूर रहते हुए अच्छे चरित्र व आत्मविश्वास का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि टीम वर्क, अनुशासन और हार-जीत की भावना खेलों से मिलती है, जो जीवन में भी काम आती है।
प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और कहा कि महाविद्यालय में खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की नींव हैं। शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. यशपाल ने मुख्य अतिथि को कैप पहनाकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में स्टाफ के लिए भी 100 मीटर रेस का आयोजन हुआ जिसमें स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इवेंट के आयोजक व मंच संचालक नवीन बत्रा ने संचालन किया।

ये रहे परिणाम

हाई जंप (लड़के): युवराज प्रथम, अरुण द्वितीय, अमन तृतीय। हाई जंप (लड़कियाँ): वसुंधरा प्रथम, तमन्ना द्वितीय, अलीशा तृतीय। थ्री-लेक (लड़के): यतिन व अरुण प्रथम, अनिरुद्ध व कुणाल द्वितीय, प्रशांत व तुषार तृतीय। थ्री-लेक (लड़कियाँ): अलीशा व तमन्ना, प्रथम; प्रीति व वसुंधरा, द्वितीय; अन्नू व वर्षा तृतीय। 100 मीटर (लड़के): अरुण प्रथम, युवराज द्वितीय,साहिल तृतीय। 100 मीटर (लड़कियाँ): तमन्ना प्रथम, वसुंधरा द्वितीय; प्रीति तृतीय। 200 मीटर (लड़के): आदित्य प्रथम युवराज द्वितीय, साहिल तृतीय। 200 मीटर (लड़कियाँ): तमन्ना प्रथम, वसुंधरा द्वितीय,अलीशा तृतीय। 5000 मीटर (लड़के): आदित्य प्रथम, प्रिंस द्वितीय; व्रेट काली तृतीय स्थान पर रहे।

मंगलपुर के राजकीय विद्यालय के 11 विद्यार्थी राज्यस्तरीय गीता महोत्सव के लिए क्वालीफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मंगलपुर के 11 विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय गीता महोत्सव प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्यस्तरीय चरण के लिए क्वालीफाई किया है। विद्यालय की प्रिंसिपल सुनीता रानी ने विजेताओं को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि यह विद्यालय व शिक्षकों की मेहनत का परिणाम है।
विद्यालय की ओर से बताया गया कि शिक्षिकाएँ पूनम, ऋचा बजाज, शीला देवी तथा सुमन रंगा ने बच्चों के निर्देशन एवं प्रशिक्षण में विशेष योगदान दिया है। विद्यालय जिले में एकमात्र ऐसा स्कूल है जिससे 11 विद्यार्थी राज्य स्तर पर जा रहे हैं। प्राचार्या सुनीता रानी व शिक्षकों ने अभिभावकों व ग्राम पंचायत व सरपंच (सहयोगी) का आभार जताया और विद्यार्थियों की राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में सफलता की कामना की।

करनाल। राज्यस्तरीय गीता महोत्सव के लिए क्वालीफाई विद्यार्थी।

क्वालीफाई हुए विद्यार्थियों के नाम

कमल, हर्ष, पूजा, सचिन, आंचल, पलक, हेमंत, दिव्या, कृतिका — तथा अन्य प्रतिभागी। (विद्यालय ने पूरे नामों की पुष्टि कराई है।) जिला स्तर पर संवाद, प्रश्नोत्तरी व श्लोक उच्चारण में बच्चों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया — कक्षा 9 से 12 में संवाद में प्रथम, प्रश्नोत्तरी में द्वितीय व श्लोक उच्चारण में तृतीय स्थान सहित अनेक पुरस्कार विद्यालय के खाते में रहे।

मिहिर बनर्जी होंगे 'सरदार यूनिटी 150 मार्च' का हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

■ कर्मशाद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक 150 किमी की राष्ट्रीय पद यात्रा

करनाल के शिक्षाविद और युवा इंटरव्यू मेंटर मिहिर बनर्जी को गुजरात में आयोजित होने वाली सरदार यूनिटी 150 मार्च में शामिल होने का विशेष निमंत्रण प्राप्त हुआ है। भारत सरकार के खेल एवं युवा मंत्रालय तथा गुजरात सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह राष्ट्रीय पद यात्रा 26 नवंबर से 6 दिसंबर तक चलेगी। यात्रा सरदार पटेल की जन्मभूमि कर्मशाद से शुरू होकर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक पहुंचेगी। इसमें देशभर से चुने गए 150 विशिष्ट व्यक्तित्व शामिल होंगे। मिहिर बनर्जी सोमवार को इस यात्रा में भाग लेने के लिए रवाना होंगे। उन्होंने कहा कि यह पद यात्रा युवाओं में राष्ट्र प्रेम, स्वावलंबन, स्वदेश चेतना और 'सशक्त भारत – आत्मनिर्भर भारत' की भावना को मजबूत करने का प्रयास है। यात्रा आणंद, बड़ोदरा और नर्मदा जिलों से होकर 150 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

ठरवा माजरा में खेत दिवस कार्यक्रम, किसानों ने देखी देसी बासमती 370 की फसल

■ डॉ. दलीप गोसांई बोले : नई किस्मों के बीच यह सुगंधित पुरानी बासमती बचाना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल/असंध

असंध के ठरवा माजरा गाँव में मंगलवार को आयोजित एक महत्वपूर्ण खेत दिवस कार्यक्रम में किसानों ने पारंपरिक और अत्यधिक सुगंधित बासमती 370 किस्म की खड़ी फसल को नज़दीक से देखा। यह फसल सरदार बलविंदर सिंह भंगू द्वारा डॉ. दलीप गोसांई के मार्गदर्शन में तैयार की गई थी। कार्यक्रम में आसपास के कई किसान शामिल हुए और उन्होंने खेत में ही इस किस्म की विशेषताओं का प्रत्यक्ष अनुभव लिया।कार्यक्रम के दौरान डॉ. दलीप गोसांई, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान एवं डेयरी प्रशिक्षण केंद्र, आईसीएआर–एन.डी.आर.आई., ने बताया कि पुरानी देसी बासमती 370 लंबी अवधि वाली किस्म है और इसके पौधे ऊँचे होते हैं। इसका उत्पादन जहाँ लगभग 12 क्विंटल प्रति एकड़ रहता है, वहीं इसकी प्राकृतिक सुगंध, बेहतरीन स्वाद और उच्च गुणवत्ता के कारण देश और विदेश—दोनों बाज़ारों में लगातार अच्छी मांग बनी रहती है और यह किस्म प्रीमियम दाम पर बिकती है।

करनाल। विजेता सम्राट राणा को सम्मानित करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

सम्राट राणा चमके जीते 2 गोल्ड व 1 सिल्वर

करनाल। मिश्र (इजिप्ट) में 6 से 18 नवंबर तक आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप—इजिप्ट शूटिंग गेम्स में करनाल के डीएवी पीजी कॉलेज के प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्राट राणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीतकर देश, प्रदेश और कॉलेज का नाम रोशन किया है। स्टिक निशानेबाजी की इस विश्वस्तरीय प्रतियोगिता में सम्राट ने दुनिया भर के निशानेबाजों को पीछे छोड़ते हुए अपनी सटीक निशानेबाजी का लोहा मनवाया। कॉलेज पहुंचने पर सम्राट का भव्य स्वागत किया गया। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के कुलपति एवं कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने उन्हें मिठाई खिलाकर सम्मानित किया और कॉलेज की ओर से 51 हजार रुपये का चेक भेंट करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुभरी की टीम ने राज्य में जीता पहला स्थान

■ अब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में करेगी प्रतिभागिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल। एससीईआरटी गुरुग्राम की ओर से आयोजित राज्यस्तरीय रोल-प्ले प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

एससीईआरटी गुरुग्राम की ओर से आयोजित राज्यस्तरीय रोल-प्ले प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुभरी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह लगातार दूसरा अवसर है। इतिहास प्रवक्ता विनय कुमार, जो इन विधाओं में निर्देशन की भूमिका निभाते हैं, ने बताया कि विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती लवलीन के नेतृत्व और सभी स्टाफ सदस्यों के सहयोग से विद्यार्थी लगभग हर विधा में विभिन्न स्तरों पर भाग ले रहे हैं। बच्चों ने ब्लॉक, जिला और प्रांत स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम में पूर्वी, मन्नत, भविष्य, आंचल (कक्षा नौवीं) शामिल हैं, और उनके परिजन भी इस उपलब्धि पर बेहद उत्साहित हैं।

प्रधानाचार्या ने विजेता विद्यार्थियों को दी बधाई

प्रधानाचार्या लवलीन ने बच्चों व पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता गांव, विद्यालय, जिला और हरियाणा के लिए गर्व का विषय है। ग्राम पंचायत सुभरी के सरपंच श्री रणजीत पाल ने भी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। विनय कुमार ने बताया कि विद्यालय की टीम हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा आयोजित नाटक प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर चुकी है और 24 नवंबर को रोहतक में होने वाली राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर की तैयारियां भी तेजी से चल रही हैं।

नगर कीर्तन में शामिल लोगों ने शाहदत को किया नमन

कीर्तन में गुरु तेग बहादुर के बलिदान को किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

शनिवार को गुरुद्वारा श्री शीशगंज में श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज एवं भाई मती दास जी, भाई सती दास जी, भाई दयाला जी की शहादत के 350वें शताब्दी समागम को समर्पित विशाल एवं भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया किया गया। यह नगर कीर्तन तरावड़ी गुरुद्वारा साहिब से शुरू होकर मुख्य बाजार, करनाली गेट से होते लल्याणी, शेखनपुर, नड़ाना, सौंकड़ा, रमाना, सांभी, कमालपुर व अंजनथली से वापिस तरावड़ी स्थित श्री शीशगंज गुरुद्वारा में संपन्न हुआ। नगर कीर्तन की अगुवाई पंज प्यारे कर रहे थे। इसके अलावा तरावड़ी की गतका पार्टी व बीड़ खालसा की गतका पार्टी ने नगर कीर्तन में करतब दिखाए। नगर कीर्तन का आयोजन हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेंजमेंट कमेटी के सदस्य प्रतिनिधि एवं सरंपच सौकड़ा भूपिन्द्र सिंह लाडी के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर स. भूपिन्द्र सिंह लाडी ने कहा कि 1675 में औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर जी महाराज को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर करने की कोशिश की थी लेकिन जब गुरु जी ने इसका विरोध किया और गुरु जी ने झुकने से इंकार कर दिया तो औरंगजेब ने उनके सामने ही उनके सहयोगियों को प्रताड़ित किया और फिर 11 नवंबर 1675 को गुरु तेग बहादुर का सिर कलम करने का आदेश दिया। नगर कीर्तन का वाल्मीकि समाज की ओर से प्रमोद कुमार के अलावा कई लोगों ने नगर कीर्तन का फूलों के साथ स्वागत किया। इसके अलावा मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी नगर कीर्तन का जोरदार स्वागत किया तथा नगर कीर्तन में आए लोगों को पटका पहनाकर पालकी साहिब के आगे नतमस्तक हुए।

गुरु तेग बहादुर का बलिदान बताया

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने धर्म की स्वतंत्रता के लिए यह बलिदान दिया और उन्होंने कश्मीरी पंडितों सहित अन्य लोगों को औरंगजेब के दमन से बचाया, जो मुगल गवर्नर के दबाव में इस्लाम में परिवर्तित होने को मजबूर हो रहे थे। लाडी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की मानवता की रक्षा, त्याग और बलिदान की अमर कहानी अगली पीढ़ियों तक पहुंचना हमारी जिम्मेदारी है। हर किसी को श्री गुरु तेग बहादुर के अद्वितीय साहस, निडरता और मानवता के संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

खबर संक्षेप

शल्य चिकित्सा अभियान सफलतापूर्वक संपंन

पानीपत। आयुष्मान भारत योजना के तहत जिले में चलाया गया विशेष आयुष्मान शल्य चिकित्सा अभियान सफलतापूर्वक संपंन हो गया। यह अभियान शनिवार तक चला। इस अभियान में आमजन को आयुष्मान योजना के तहत उपलब्ध सरकारी आरक्षित सर्जिकल पैकेजों की जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र लाभार्थियों को सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क सर्जरी करवाने के लिए प्रेरित किया गया। सीएमओ डॉ. विजय मलिक ने बताया कि सर्जिकल कैम्प की अवधि में कुल 130 मरीजों की सफल सर्जरी की गई। सभी सर्जरी आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क करवाई गईं।

स्वरोजगार करें छात्राएं : डॉ. मलिक

पानीपत। आईबी पीजी कॉलेज में कौशल विकास केंद्र द्वारा ब्यूटी एंड वेलनेस कोर्स के विद्यार्थियों के लिए हेयर डूश करवाया गया। जिसका शुभारंभ प्राचार्या डॉ.शशि प्रभा मलिक ने करते हुए कहा कि छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने व कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज में कई स्किल बेस्ड इंटर्नशिप भी चल रही जैसे कटिंग, टेलरिंग और सरफेस आर्नामेंटेशन, कुकिंग व बेकिंग, इंग्लिश कम्युनिकेशन स्किल्स। वहीं कौशल विकास केंद्र के संयोजक अजयपाल सिंह, शालू, प्राची आदि उपस्थित रही।

पानीपत पुलिस ने बकरी चोर गिरफ्तार किया

पानीपत। पानीपत के गांव पसीना कला में कमरे से बकरी चोरी करने के आरोपी प्रताप नगर सदर बाजार दिल्ली निवासी बच्चन सिंह को थाना औद्योगिक सेक्टर 29 पुलिस, जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। वहीं, थानेदार अनिल ने बताया कि बच्चन सिंह ने चार अन्य साथी आरोपियों के साथ मिलकर बकरी चोरी करना स्वीकारा है। स्मरणीय है कि उपरोक्त मामले में गांव पसीना कला निवासी अशोक पुत्र दीपचंद की शिकायत पर 14 बकरी चोरी होने का केस दर्ज है।

फायरिंग केस में तीन पकड़े

पानीपत। पानीपत पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल टीम ने बिहौली गांव में घर पर हुई फायरिंग और रंगदारी मांगने की वारदात में फरार तीन और आरोपियों रोहतक के सांपला गांव निवासी अजीत उर्फ आदित्य, मनजीत उर्फ चान्नू व आशीष को गिरफ्तार किया है। वहीं, थानेदार फूल कुमार ने बताया कि आरोपी आशीष पर लूट, एनडीपीएस एक्ट, मारपीट व आर्म्स एक्ट में चार और अजीत पर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट से चार दिन के रिमांड पर लिया है। इधर, थाना बापौली में बिहोली गांव निवासी प्रदीप की शिकायत पर केस दर्ज है।

मारपीट करने के मामले में तीन आरोपी पकड़े

पानीपत। समालखा की ऑफथ्सर कॉलोनी में डिकाडला निवासी दीपक को मारपीट कर घायल करने के तीन आरोपियों देहरा गांव निवासी अजय व डिकाडला निवासी तुषार व नवीन को गिरफ्तार किया है। थानेदार दीपक ने बताया कि इस मामले में थाना समालखा में दीपक की शिकायत पर केस दर्ज है।

फार्मेसी परिषद में सशर्त होगा पंजीकरण

पानीपत। हरियाणा राज्य फार्मेसी परिषद (एचएसपीसी) ने पंजीकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुगम करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। जिन आवेदकों द्वारा पंजीकरण के लिए अभी तक अपने दस्तावेज परिषद में जमा नहीं किए गए हैं, उनको यह प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त अवसर देने का निर्णय लिया है। वहीं, परिषद की रजिस्ट्रार अंकिता अधिकारी ने इस संबंध में गाइड लाइन जारी की है।

डिजिटल पोर्टलों से जुड़े युवा

पानीपत। उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे, केंद्र और राज्य सरकार द्वारा बनाए गए डिजिटल पोर्टलों से जुड़कर सरकारी योजनाओं व नीतियों की जानकारी प्राप्त करें और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

हरियाणा थिंकर्स फोरम ने की फाइटिंग फॉर ऑर गॉड्स विषय पर डिबेट

विश्व में सबसे महान है श्री सनातन धर्म : दीवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

हरियाणा थिंकर्स फोरम के तत्वावधान में पानीपत के हुडा सेक्टर 13-17 स्थित लेट्स- को कैफे में 'फाइटिंग फॉर ऑर गॉड्स' विषय पर डिबेट का आयेजन हुआ। वहीं, मुख्य वक्ता हिंदू नेटवर्क फोरम के संस्थापक राहुल दीवान ने कहा कि श्री सनातन का दूसरा नाम हिंदू है और यह दुनिया का सबसे प्राचीन धर्म होने के साथ संस्कृति है। उन्होंने सनातनियों से हिंदुत्व के लिए दानपुण्य करने की अपील की करते हुए कहा कि दान में मिले धन से आपदा पीड़ितों की मदद की जाती है। वहीं, एनवायरमेंट, एंपावरमेंट, एजुकेशन पर कार्य कर रही रथ फाउंडेशन के संस्थापक साहित्यकार प्रोफेसर अर्जुन सिंह कादियान ने कहा कि पाश्चात संस्कृति के दुष्प्रभाव के चलते युवा वर्ग, भारतीय सनातन संस्कृति से विमुख होता जा रहा है। युवाओं को महान सनातन संस्कृति के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। इधर, साहित्य के क्षेत्र में हरियाणा में पहली बार पद्मश्री से सम्मानित हुए प्रो. डॉ. संतराम देशवाल ने युवा वर्ग से संघर्षशील होने का आह्वान करते हुए कहा कि कोई भी कार्य कठिन नहीं है, युवाओं को अनुशासित मेहतन के साथ अनुभवी लोगों के सानिध्य में अपनी मंजिल की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि भारत की महान संस्कृति है। जिन अविष्कारों की आज बात हो रही है ये तो सदियों पहले हमारे शास्त्रों में वर्णित है। भारतीय संस्कृति पूरी तरह से विज्ञानी आधारित है। कार्यक्रम में यशवीर कादियान, गुणवीर कादियान, धीरज कपूर, अनिता, मधु, अनिरुद्ध, संजय तोमर समेत शिक्षाविद्, साहित्यकार, समाजसेवी आदि उपस्थित रहे।

पानीपत। डिबेट में मंचासीन राहुल दीवान, प्रो. अर्जुन कादियान, पद्मश्री डॉ. संतराम देशवाल विचार व्यक्त करते हुए।

पंजाबी सोशल वेलफेयर ने कार्यकारिणी का गठन किया

- समिति को अच्छे ढंग से चलने के लिए प्रेस सलाहकार नियुक्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

पंजाबी सोशल वेलफेयर सोसाइटी की कार्यकारिणी का गठन समिति के प्रधान संजीव अनेजा की देखरेख में हुआ। जिसमें,अश्वनी मिड्ढा वरिष्ठ उप प्रधान, पंकज अरोड़ा, सुरेश निरंकारी उप प्रधान, ज्ञानचंद तनेजा सचिव, कृष्ण चोपड़ा सहसचिव, रितेश खजांची, लालचंद चोपड़ा, राजेश कपूर, अमनदीप, संदीप कुमार ढींगडा, मन्नू छाबड़ा व इशू नागपाल को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया है। इधर, संजीव ने बताया कि समिति को अच्छे ढंग से चलने के लिए सोसाइटी के फाउंडर रमेश छाबड़ा, लेखराज खट्टर अशोक मेहंदी रत्ता ,डॉ. केएल सचदेवा, जगतार बिल्ला, श्याम सुंदर बरेजा, मदन चोपड़ा, संजीव बजाज, कुल भूषण अरोड़ा व देवेंद्र खन्ना को सलाहकार, राकेश अरोड़ा व सचिन कपूर को प्रेस सलाहकार नियुक्त किया गया है।

समालखा। पंजाबी सोशल वेलफेयर सोसाइटी के नवनियुक्त पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पेंटिंग बनाने में आर्यन प्रथम

पानीपत। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत आयोजित जिला स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव बड़ौली की कक्षा बारहवीं के छात्र आर्यन को जिला पानीपत में प्रथम पुरस्कार मिला। आर्यन को प्रथम पुरस्कार के रूप इक्कीस सौ रुपए और प्रशस्ति पत्र मिला है।

जूडो में अंश ने सिल्वर जीता

पानीपत। पानीपत के हुडा सेक्टर छह स्थित एसडी इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा द्वितीय के छात्र अंश त्यागी ने संत कबीर दास सेवा समिति सेक्टर छह में फॉर्मर गोल्ड कप जूडो टूर्नामेंट में रजत पदक जीतकर स्कूल व अपने माता-पिता का नाम रोशन करने का काम किया है। अंश को प्राचार्या रुचि शर्मा ने पुरस्कृत करते हुए उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया है।

नागरिकों का स्वास्थ्य जांचा

पानीपत। पानीपत के वार्ड आठ की राकेश कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सकों की टीम ने नागरिकों का स्वास्थ्य जांचा और उन्हें उचित परामर्श व फ्री दवाइयां दी गई।

कबड्डी प्रतियोगिता के खिलाड़ी पुरस्कृत

पानीपत। राजा सहसमल वेलफेयर सैमिति की ओर से आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में हरियाणा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से टीमों ने भाग लिया। वहीं कबड्डी प्रतियोगिता में कांग्रेसी नेता धर्मपाल गुप्ता आदि ने भाग लिया और विजेता खिलाडियों को पुरस्कृत किया।

शहीद लांस नायक हरिराम को दी श्रद्धांजलि

- शहीद हरिराम की वीरांगना शांति देवी को एक प्रशंसा पत्र व शहीद सम्मान ट्रॉफी देकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पूर्व सैनिक कल्याण संगठन जिला पानीपत के अध्यक्ष राजवीर शर्मा व जिले के पूर्व सैनिक तथा जिला पानीपत राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जिला समरसत्ता के सह संयोजक सत्यवान, चंद्रशेखर आजाद उपनगर कुटुंब प्रबोधन के संयोजक अशोक काका ने सन- 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध में भारत माता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले लांस नायक हरिराम निवासी गांव कुराना को उनके निवास पर जाकर श्रद्धांजलि दी। वहीं शहीद हरिराम की वीरांगना शांति देवी को एक प्रशंसा पत्र व शहीद सम्मान ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

पानीपत। शहीद लांस नायक हरिराम को श्रद्धांजलि देते हुए पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

नवीन जिन्दल फाउंडेशन बना आकर्षण का केंद्र

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में चल रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान नवीन जिन्दल फाउंडेशन पैवेलियन सांसद खेल महोत्सव की हेल्थ वेलनेस कार्यक्रम में हर आयु के प्रतिभागी रूचि ले रहे हैं। नवीन जिन्दल फाउंडेशन पैवेलियन के बारे में जानकारी देते हुए सांसद कार्यालय प्रभारी एवं पूर्व आईएएस अधिकारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल युवाओं को स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल भावना की ओर प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उनकी पहल पर सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत आयोजित हेल्थ वेलनेस कार्यक्रम युवाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने का एक सार्थक माध्यम बन रहा है।

प्राचार्य डॉ.जगदीश गुप्ता ने विजेता खिलाड़ियों का स्वागत किया

आर्य कॉलेज ने इंटर जोनल फुटबॉल में सिल्वर जीता

- डॉ. राजेश टूर्ण व उनकी टीम को बधाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर जोनल महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में आर्य कॉलेज की खिलाड़ियों ने रजद पदक जीत कर आर्य कॉलेज व पानीपत का नाम रोशन किया है। वहीं, कॉलेज प्राचार्य डॉ.जगदीश गुप्ता ने विजेता खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया और आर्य कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश टूर्ण व उनकी टीम को बधाई दी। इधर, प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने बताया कि आर्य कॉलेज सभी खेलों में जीत दर्ज कर रहा है। इस अवसर पर कोच राजेंद्र देशवाल, राजा तोमर, सुनील पहल, रजनी व विजेता खिलाडी उपस्थित रहे।

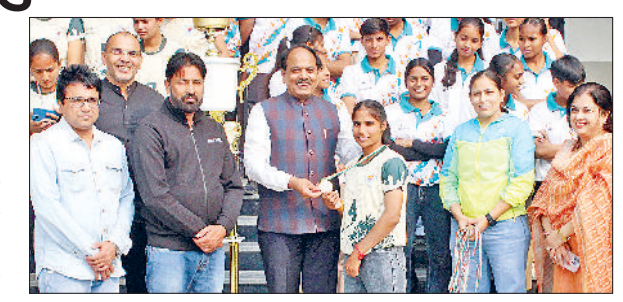

पानीपत। आर्य कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता के साथ विजेता खिलाड़ी।

विचारों की धरोहर को अगली पीढ़ी तक पहुंचाएं : विभु

पानीपत। म्हारी धरोहर अभियान में शिकरत करते हुए अथितिगण। फोटो : हरिभूमि

- बच्चों को, नौजवानों को अपने घर के बड़े बुढो के साथ प्रतिदिन बैठकर विचार विमर्श करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

दादा लखमीचंद सोशल वेलफेयर ट्रस्ट तथा अंशदान फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आज राजकीय माध्यमिक विद्यालय करावली में म्हारी धरोहर नाम से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि उद्योगपति विभु पालीवाल ने कहा कि अगली पीढ़ी को संस्कार और संस्कृति से रुबरु करवाना। अपने विचार व धरोहर को उनको सौंपना हम सब का नैतिक कर्तव्य है और इसे पूरी ईमानदारी के साथ सबको निभाना चाहिए। वहीं दादा लखमीचंद सोशल वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा ने कहा कि बच्चों को, नौजवानों को अपने घर के बड़े बुढो के साथ प्रतिदिन बैठकर विचार विमर्श करना चाहिए। स्कूल के मुख्य अध्यापक रमेश शर्मा ने कहा कि हमारा विद्यालय हमेशा ऐसे कार्यक्रमों के लिए अग्रणी रहेगा। कार्यक्रम संयोजक मा.अनिल रोहिल्ला रहे। गांव के सरपंच मनीष राणा ने संस्था का कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद किया।

आदेश अस्पताल स्त्री रोग व प्रसुति सेवाओं में सशक्त सुविधाएं दे रहा

कुरुक्षेत्र। मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कॉलेज व अस्पताल के गायनी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. मोनिका ने कहा कि आदेश अस्पताल स्त्री रोग व प्रसूति सेवाओं में लगातार बेहतर व सशक्त सुविधाएँ उपलब्ध करा रहा है। अत्याधुनिक लेप्रोस्कोपी उपकरण, अनुभवी चिकित्सक व स्टाफ और सुरक्षित वातावरण के कारण मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं मिल रही हैं। जिसका फायदा जिला कुरूक्षेत्र के साथ-साथ आस-पास के जिलों व हिमाचल तक की महिलाओं को मिल रहा है। डा. मोनिका ने विशेष बातचीत में बताया कि स्त्री रोग उपचार में अत्याधुनिक लेप्रोस्कॉपी तेजी से लोकप्रिय होती जा रही है। क्योंकि यह तकनीक कम दर्द, कम रक्तस्राव, जल्दी रिकवरी करने का सशक्त माध्यम है और साथ ही इस तकनीक से उपचार होने पर रोगी को अस्पताल में कम रहना पड़ता है। उन्होंने बताया कि पहले जिस तरह अनेक जटिल स्त्री रोगों के लिए बड़े ऑपरेशन और लंबा आराम जरूरी होता था लेकिन अब वही उपचार लेप्रोस्कॉपी की मदद से सुरक्षित और प्रभावी तरीके से किया जा रहा है।

प्रदूषण फैलने वाले 27 आरोपियों पर केस दर्ज

- प्रदूषित पानी फैंकने के आरोप में 12 टैंकर इंपाउंड किए, आरोपियों में अधिकतर टेक्सटाइल फैक्टरी संचालक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत में सीएम फ्लाइंग ने टेक्सटाइल की फैक्ट्रियों से निकलने वाले केमिकल युक्त पानी को रात के समय टैंकरों के जरिए आसपास के गांवों में फैंकने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। टीम ने गांव कुराड, छाजपुर, जलालपुर के अलावा अन्य स्थानों पर संचालित फैक्ट्रियों से निकलने वाला केमिकल युक्त पानी फैंकने के आरोप में जहां 27 लोगों पर केस दर्ज किया है। जबकि थाना सनौली खुर्द ने प्रदूषत पानी फैंकने के केस में 12 टैंकर इंपाउंड किए है। इधर, सीएम फ्लाइंग के उपनिरीक्षक राज सिंह ने बताया कि गुप्त रूप पर नाकाबंदी कर एक-एक कर कई ट्रैक्टरों से जुडे टैंकर पकड़े। टैंकरों में केमिकल युक्त प्रदूषित पानी मिला। ड्राइवर इस पानी के बारे में कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दे पाए। जांच में सामने आया कि इन वाहनों के पास किसी भी प्रकार के कागजात नहीं थे और यह काम कई महीनों से चल रहा था। पूछताछ में ड्राइवरों ने उन फैक्ट्रियों के नाम बताए जहां से वह केमिकल युक्त पानी भरकर लाते थे। पुलिस ने जिले के अलग-अलग गांवों में स्थित फैक्ट्रियों के नाम दर्ज किए।

कार्रवाई की जाएगी

सनौली थाना प्रभारी वेदपाल ने बताया कि प्रदूषित पानी मामले में नौशाद, प्रदीप, राहुल, राजेश, अरेका इंडस्ट्री, गौरजा इंटरनेशनल, नैन सिंह, सोनू, नवीन, साहिल, रोहित, डायमंड फैक्ट्री, शाहरूख, एमडी इंटरनेशनल, कुलदीप, मेहरबान, मनजीत, सरवती टैक्सो, टिंकू, इसरार, चूहड़ सिंह, गायत्री फैक्ट्री, सोनू, विरेंद्र, सनराइज फैक्ट्री, सद्धाम और अंकित देशवाल शामिल हैं। वहीं, उपरोक्त मामलों की जांच जारी है, पुलिस की जांच में दोषी पाए जाने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस द्वारा केस दर्ज किए जाने पर रोष प्रकट किया

समालखा। समालखा बार एसोसिएशन की अध्यक्ष अशोक रावल की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में गांव गढ़ी केवल निवासी एडवोकेट रोहतास कुमार के विरुद्ध पुलिस द्वारा केस दर्ज किए जाने पर रोष प्रकट किया गया। वहीं, अशोक रावल का आरोप है कि पुलिस ने रोहताश पर पक्षपातपूर्ण और पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर केस दर्ज किया है। जबकि एडवोकेट रोहतास द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। बार ने इस मामले की निंदा की और घोषणा की कि जब तक एडवोकेट रोहतास को न्याय नहीं मिलेगा तब तक बार एसोसिएशन समालखा न्यायिक कार्य को स्थगित रखेगी। बैठक में बार के सचिव अनिल शर्मा, कैशियर अमित शर्मा, विकास भारद्वाज, जसबीर गाहल्याण, प्रदीप दूहन, सुमनदीप सहरावत, सचिन आदि वकील उपस्थित रहे।

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

तेरहवां पुरस्कार (सांत्वना पुरस्कार) (151 से 200)

❖ शंकर लाल पुत्र श्री राम अवतार निवासी गांव हनुमान ढाणी, जिला भिवानी ❖ कार्तिक पुत्र श्री श्याम सुन्दर निवासी वार्ड नं. 6, गांव चांग, भिवानी ❖ बिशम्बर पुत्र श्री हरीश चन्द्र निवासी गांव लहलाना जिला भिवानी ❖ भूप सिंह वशिष्ठ पुत्र श्री रामगोपाल निवासी मकान नं. 41, चौखमइश, भिवानी ❖ श्रेयांश पुत्र श्री संजीव कुमार निवासी अलबेला गली, जैन चौक, भिवानी ❖ प्रिया पुत्री श्री संदीप कुमार निवासी सीसीएसएचएयू, गेट नं.2, हिसार ❖ पूजा पत्नी श्री बिजेन्द्र निवासी गांव नर्कापुर जिला भिवानी ❖ रविन्द्र पुत्र श्री राजपाल निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ निखिल कुमार पुत्र श्री सोमबीर निवासी गांव तिगराना जिला भिवानी ❖ रोबिन पुत्र श्री कुलबीर निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ कुलदीप पुत्र श्री करतार सिंह निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ संदीप पुत्र श्री सुरत सिंह निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ प्रदीप पुत्र श्री हरिचन्द निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ आकार दहिया पुत्र श्री कर्मवीर दहिया निवासी वार्ड नं. 3, गांव तिगराना, जिला भिवानी ❖ नेहा पत्नी आकाश दहिया निवासी वार्ड नं. 3, गांव तिगराना, जिला भिवानी ❖ आकाश पुत्र श्री संजय निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ जीवंश पुत्र श्री विकास निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ अमित पुत्र श्री वेद प्रकाश निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ नवीन पुत्र श्री प्रदीप अरोड़ा निवासी मकान नं. 219, चिरंजीव कालोनी, भिवानी ❖ रोहित पुत्र श्री ओम प्रकाश निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ कांता पत्नी बलबीर शर्मा निवासी इंद्राज गार्डन के पीछे, बैंक कालोनी, भिवानी ❖ संदीप पुत्र श्री सुभाष निवासी नजदीक ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ नीलम देवी पत्नी श्री मनोज कुमार निवासी गांव व डाकखाना तिगड़ाना, जिला भिवानी ❖ सोमबीर सिंह पुत्र श्री प्रभाती राम निवासी गांव तिगड़ाना, वार्ड नं. 3, जिला भिवानी ❖ प्राची पुत्री श्री विरेन्द्र निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ मदन लाल पुत्र श्री रामधारी निवासी मकान नं. 582, सैक्टर 13, हुडा, भिवानी ❖ महाबीर सिंह पुत्र श्री चन्दगी राम निवासी गांव व डाकखाना दिनोद, वार्ड नं. 5, भिवानी ❖ धर्मवीर सिंह पुत्र श्री प्रभाती राम निवासी गांव तिगड़ाना वार्ड नं.3, जिला भिवानी ❖ मनोज कुमार पुत्र श्री प्रभाती राम निवसी गांव तिगड़ाना, जिला भिवानी ❖ सचिन पुत्र श्री कर्मबीर निवासी गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ सुमन देवी पत्नी श्री सोमबीर निवासी वार्ड नं.3, गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ रवि कुमार पुत्र श्री सोमवीर निवासी गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ सन्तोष देवी धर्मपत्नी करनबीर सिंह, दाड़ौली, चरखी दादरी ❖ पूर्वाशी सुपुत्री सोमबीर, दगड़ौली, चरखी दादरी ❖ भूपेश सुपुत्र श्री सोमबीर, दगड़ौली, बाढड़ा, चरखी दादरी ❖ श्री आनन्द सुपुत्र प्रभु सिंह, एमसी कॉलोनी, चरखी दादरी, तह. जिला चरखी दादरी ❖ श्री पवन कुमार हेयर ड्रेसर, सुपुत्र श्री सुभाष चंद्र, हीरा चौक, बधवाना गेट, तह. व जिला चरखी दादरी ❖ श्री दलबीर सिंह सुपुत्र श्री शीशराम नंबरदार, बिरही कलां, तह. व जिला चरखी दादरी ❖ श्री जय भगवान सुपुत्र श्री नफे सिंह, 1344/1, लाल बहादुर शास्त्री नगर, रोहतक ❖ श्री रामकवार सुपुत्र श्री गुगुनराम (पानन्य), गांव व डा. करौंथा, शीतल नगर, रोहतक ❖ श्रीमति पूजा पत्नी श्री सुनील चावला, म.नं. 304, बड़ा पाना, कलानौर, रोहतक ❖ श्री धर्मवीर सुपुत्र मीर सिंह, गांव व डा. बलियाणा, तह. सांपला, रोहतक ❖ श्री यागेश सुपुत्र नरेंद्र, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री भास्कर राय सुपुत्र श्री रामचंद्र राय, 824/20, एकता कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री संजय सुपुत्र श्री रामतीर्थ शर्मा, 1035/1, शास्त्री नगर, रोहतक ❖ श्री मनमोहन सुपुत्र श्री नरेंद्र जिंदल, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्रीमति राजरानी पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री नरेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री महावीर प्रसाद, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री अशोक सुपुत्र श्री ओमप्रकाश, अग्रसेन कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री दीपक सुपुत्र श्री अशोक, अग्रसेन कॉलोनी, रोहतक

क्रमशः

शेष विजेताओं की सूची अगले अंक में देखें

आवश्यक सूचना :

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतू साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रात: 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं. : 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

विश्व भारती विद्या निकेतन, देशराज कॉलोनी में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

विज्ञान प्रदर्शनि में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

प्रबंधक अवनीश कुमार व प्रिंसिपल चारु ने अतिथियों का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

विश्व भारती विद्या निकेतन, देशराज कॉलोनी में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। वहीं, प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक मॉडल आधुनिक विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संसाधन, जल संरक्षण, स्वदेशी नवाचार तथा दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाले वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। वहीं क्राफ्ट अनुभाग में बच्चों की सृजनात्मक कला एवं हस्तकौशल स्पष्ट झलक रहा था। वहीं, हरियाणा की परंपराओं, लोक-नृत्य, प्रमुख त्योहारों, पारंपरिक वेशभूषा और ग्रामीण जीवन शैली पर आधारित मॉडल दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने। प्रदर्शनी में पार्षद कोमल पांचाल, गुलशन बत्रा, डॉ. हरि सिंह वर्मा, मोनिका सहगल, सुखवीर सिंह, प्रिंसिपल राजकुमार, राजेश सैनी, डॉ. देवलीना भौमिक, राजेश शांडिल्य ने शिकरत की। जबकि स्कूल के प्रबंधक अवनीश कुमार व प्रिंसिपल चारु ने अतिथियों का स्वागत किया। जबकि प्रदर्शनी के सफल आयोजन में टीचर शिवानी, लता, मीना, रीना, अनीता, पिंकी आदि ने सहयोग दिया।

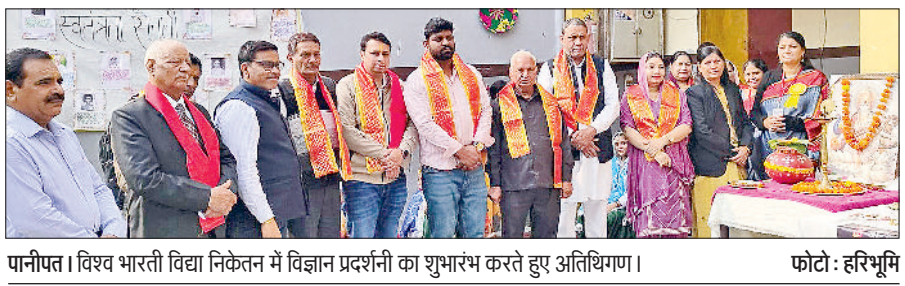

पानीपत। विश्व भारती विद्या निकेतन में विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

लूट के मामले में आरेपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना नग्गल में दर्ज लूट के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी मोहम्मद हुसैन उर्फ कालू को गिरफ्तार किया है। उसे चार दिन के रिमांड पर लिया गया है। इस दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी। गौरसियां गांव के मनजीत सिंह उर्फ मनीष ने 26 सितंबर 2023 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 25/26 सितंबर 2023 को आरोपी ने श्मशान घाट नग्गल के पास उसकी कनपटी पर पिस्तौल रखकर उसकी 60 भेड़ें लूट ली हैं। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी को काबू कर लिया है।

हेरोइन तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। एंटी नारकोटिक सैल ने हेरोइन तस्करी के मामले में संलिप्त अन्य आरोपी काव्या को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे तीन दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी। एएनसी को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। नाकाबंदी के दौरान जांच टीम ने मुख्य आरापी को अंबाला छावनी क्षेत्र सुभाष पार्क रोड के पास से काबू किया था। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 17 ग्राम 77 मिलिग्राम हेरोइन बरामद की थी।

सामान चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना पड़ाव में दर्ज चोरी के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी सतपाल उर्फ चूना व हरीश उर्फ धन्ना को गिरफ्तार किया है। सेक्टर 34 के राकेश कुमार ने 12 अक्तूबर को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 11/12 अक्तूबर को आरोपी ने सैक्टर-34 अंबाला छावनी में स्थित उसके निर्माणाधीन मकान का दरवाजा तोड़कर बिजली फिटिंग के तारें, बिजली मशीन की मोटर, मिस्त्री के औजार व अन्य सामान चोरी किया है।

ओवरसीज एजुकेशन काउंसलिंग सेमिनार

अंबाला। अंबाला छावनी स्थित जीएमएन कॉलेज ऑफ नर्सिंग में नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए निशुल्क 'ओवरसीज़ एजुकेशन काउंसलिंग सेमिनार' का आयोजन किया गया। उद्देश्य छात्रों को विदेशों में उच्च शिक्षा से संबंधित अवसरों प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

मंत्री विज बोले-प्रधानमंत्री मोदी को सुनने के लिए हजारों कार्यकर्ता कुरक्षेत्र जाएंगे

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने समूचे हिंदुस्तान के लिए दी थी शहादत

अंबाला। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि श्री गुरू तेग बहादुर ने अपनी शहादत किसी धर्म व जाति के लिए नहीं बल्कि समूचे हिंदुस्तान के लिए दी थी। सी वजह से उनको हिंद की चादर कहा जाता है। विज शनिवार को फारूखा खालसा स्कूल में भाजपा कार्यकर्ताओं को 25 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ रहे हैं। कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए अंबाला छावनी से हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होकर गुरू जी का आशीर्वाद प्राप्त करें। उन्होंने कहा कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक कार्यक्रम में हर उस व्यक्ति को जो अपने आपको हिंदुस्तानी मानता है उसे इस कार्यक्रम में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए क्योंकि गुरू जी को हिंद की चादर कहा जाता है। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर को दोपहर दो बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुरुक्षेत्र में आएंगे। वो गुरू तेग बहादुर शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम व गीता जयंती महोत्सव में शामिल होंगे। उन्होंने कहा शहीदी दिवस पर आयोजित होने वाले समागम में सभी लोग मर्यादा अनुसार समागम में हिस्सा लेंगे। विज ने कहा कि श्री गुरू तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस देश में श्रद्धापूर्वक मनाया जा रहा है। हरियाणा सरकार ने चार नगर कीर्तन यात्रा निकाली है।

ये रहे मौजूद

बैठक के दौरान भाजपा नेता ललता प्रसाद, मदनलाल शर्मा, संजीव सोनी, विजेंद्र चौहान, किरणपाल चौहान, अजय बवेजा, प्रवेश शर्मा, रवि बुद्धिराजा, हर्ष बिंद्रा, विकास बहगल, तरविंद्र सिंह, प्रमोद लक्की, बलित नागपाल व अन्य मौजूद रहे।

हजारों श्रद्धालुओं ने शहीदी यात्रा में हिस्सेदारी कर लिया आशीर्वाद

अंबाला। श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में निकाली जा रही शहीदी यात्रा (नगर कीर्तन) शनिवार को ऐतिहासिक गुरूद्वारा लखनौर साहिब से शुरू हुई। इससे पहले सिख संगत व अन्य श्रद्धालुओं ने अरदास भी की। इस अवसर पर भाजपा जिलाअध्यक्ष मनदीप राणा, मार्केट कमेटी के चेयरमैन जसविंद्र उगाड़ा, हरियाणा सिख गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी के कार्यकारी सदस्य गुरतेज सिंह, सदस्य सुखदेव सिंह नन्यौला के साथ-साथ संगत ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया। भाजपा जिलाअध्यक्ष मनदीप राणा व अन्य ने ऐतिहासिक गुरद्वारा लखनौर साहिब में माथा टेका व गुरू का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस दौरान गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी ने जिलाध्यक्ष को सिरोपा भेटकर उनका अभिनंदन भी किया। जिलाध्यक्ष मनदीप राणा ने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर के जीवन, शिक्षाओं और सर्वोच्च बलिदान को दर्शाती यह शहीदी यात्रा (नगर कीर्तन) शहरी व ग्रामीण श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रतीक बनी हुई है। सिख संगत के साथ-साथ अन्य श्रद्धालु यात्रा का श्रद्धापूर्वक सम्मान भी कर रहे हैं। गुरू के पवित्र स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद भी प्राप्त कर रहे हैं। यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा की गई सेवा भावना—लंगर वितरण, प्रसाद और पुष्प वर्षा इस यात्रा को मानवता, त्याग और धार्मिक सौहार्द का प्रेरणादायक प्रतीक बना रही है। यह शहीदी यात्रा (नगर कीर्तन) श्री गुरु तेग बहादुर के बलिदान, धर्म रक्षा और मानव अधिकारों के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रही है।

■ ऐतिहासिक गुरूद्वारा लखनौर साहिब से शुरू हुई यात्रा बराड़ा पहुंची, रात्रि ठहराव के बाद कुरुक्षेत्र में करेगी प्रवेश

अंबाला। नगर कीर्तन में आशीर्वाद लेने पहंचे भाजपा जिलाध्यक्ष व अगुवाई करते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

अंबाला। कार्यक्रम के दौरान मौजूद शिक्षक व छात्र। फोटो : हरिभूमि

बच्चों ने दी गुरु तेग बहादुर के जीवन पर शानदार प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यू सैल एवं साइंस सोसायटी द्वारा गुरु तेग बहादुर के जीवन वृत्तांत" पर एक प्रस्तुति का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को गुरु तेग बहादुर की शिक्षाओं, त्याग और आध्यात्मिक योगदान से परिचित कराना था, साथ ही उनके साहस, करुणा और धार्मिक स्वतंत्रता के संदेश को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. (डॉ.) देस राज बाजवा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। यह प्रस्तुति बीएल एससी. प्रथम वर्ष के छात्र तनुज एवं उनकी टीम द्वारा दी गई। छात्रों ने गुरु तेग बहादुर के जीवन के प्रमुख प्रसंगों, दार्शनिक विचारों और सर्वोच्च बलिदान पर प्रकाश डाला जिससे विद्यार्थियों में मानवता, नैतिक शक्ति और विविधता के सम्मान जैसे मूल्यों को बढ़ावा मिला। आयोजन में डॉ. रजनी सैनी, डॉ. प्रियंका, डॉ. सुषमा, डॉ. समीक्षा, प्रो. शिल्पा और प्रो. रीटा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इनके सहयोग से कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित हुआ। लगभग 70 छात्रों और विज्ञान संकाय के शिक्षकों ने कार्यक्रम में सहभागिता की और गुरु तेग बहादुर की शिक्षाओं एवं आदर्शों के प्रति गहरी समझ प्राप्त की। कार्यक्रम के उपरांत विद्यार्थियों द्वारा कॉलेज में प्रसाद का वितरण किया गया, जिससे कार्यक्रम में भक्ति, श्रद्धा और सामूहिकता की भावना और सुदृढ़ हुई।

सेहत को तंदरुस्त रखने के लिए हरी सब्जियां व मौसमी फल खाएं महिलाएं

शहजादपुर। गांव गणेशपुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण अभियान के अंतर्गत सीबीई (कम्युनिटी बेस्ड इवेंट) की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में गांव की महिलाओं, गर्भवती एवं धात्री माताओं तथा बच्चों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। बैठक के दौरान सुपरवाइजर मनप्रीत कौर ने उपस्थित महिलाओं को महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें, दूध, अंकुरित अनाज और मौसमी फल आहार का हिस्सा होने चाहिए। उन्होंने कहा कि फास्ट फूड और जंक फूड से बचें। गर्भवती एवं धात्री माताएं विशेष रूप से पौष्टिक आहार लें, ताकि बच्चे का विकास स्वस्थ रूप से हो सके। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि गर्भधारण के तुरंत बाद स्वास्थ्य विभाग में समय पर रजिस्ट्रेशन करवाना बेहद आवश्यक है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पलविंदर कौर ने बैठक में उपस्थित महिलाओं को लड़का-लड़की समानता पर जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बेटियां किसी भी रूप में बेटों से कम नहीं हैं और उन्हें समान शिक्षा, पोषण और अवसर मिलना चाहिए। बैठक में गांव की ही युवती संगीता ने सभी महिलाओं को पौष्टिक भोजन के फायदे और फास्ट फूड से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया। अंत में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा ने बैठक में उपस्थित सभी महिलाओं एवं माताओं का आभार व्यक्त किया।

■ पोषण अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन

शहजादपुर। पोषण अभियान के दौरान मौजूद महिलाएं। फोटो :हरिभूमि

27 को होगी कार्यशाला शिक्षाविद् करेंगे हिस्सेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

लॉर्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन अधोया में 27 को दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में क्षेत्र के अनुभवी शिक्षाविद भाग लेंगे और अपने विचारों व अनुभवों को सांझा करेंगे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. रेणू सोहता ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होते हैं बल्कि राष्ट्र की संस्कृति और सामाजिक संरचना को सुदृढ़ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शिष्टाचार हमारी सभ्यता, संस्कृति और जीवन मूल्यों का आधार है, जो व्यक्तियों के बीच सम्मान, सौहार्द और सहयोग की भावना को मजबूत बनाता है। बदलते समय में बच्चों और युवाओं में शिष्टाचार के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है जिससे वे जिम्मेदार, संवेदनशील और संस्कारित नागरिक बन सकें। उन्होंने सभी स्कूल, कॉलेज व अन्य गणमान्य लोगों से इस कार्यक्रम में शिरकत करने की अपील की।

■ शिष्टाचार हमारी सभ्यता, संस्कृति और जीवन मूल्यों का आधार

उपलब्ध करवाई 5000 से ज्यादा परीक्षणों की सुविधा

■ डीएवी कॉलेज में एनएसएस यूनिट द्वारा आयोजित एक दिवसीय रक्त जांच शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर स्थित डीएवी कॉलेज (लाहौर) में शनिवार को एनएसएस यूनिट द्वारा एक दिवसीय रक्त जांच शिविर आयोजित किया गया। यह आयोजन कॉलेज परिसर सुबह 8:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक संपन्न हुआ। शिविर का उद्देश्य छात्रों एवं कर्मचारियों को किफायती दरों पर आवश्यक स्वास्थ्य जांच सुविधाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में हितिका सोनी अपने विशेषज्ञ दल के साथ कॉलेज पहुंचीं। विभिन्न प्रकार के डायग्नोस्टिक परीक्षण अत्यंत व्यवस्थित एवं पेशेवर ढंग से संपन्न करवाए। उनकी टीम ने छात्रों और स्टाफ को प्रत्येक जांच प्रक्रिया के बारे में स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया और रिपोर्टिंग से संबंधित जानकारी भी सांझा की। शिविर में 5000 से अधिक परीक्षणों की सुविधा रियायती दरों पर उपलब्ध कराई गई। बेसिक टेस्ट जैसे—शुगर, कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड तथा कैल्शियम, एचबीएआईसी, लिपिड प्रोफ़ाइल, थॉयरायड प्रोफ़ाइल तथा विटामिन डी जैसे प्रमुख परीक्षण भी कम शुल्क पर उपलब्ध करवाए गए। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रियंका चौधरी एवं डॉ. खुशबू मल्होत्रा ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य कॉलेज समुदाय में स्वास्थ्य-जागरूकता को बढ़ावा देना और नियमित जांच के महत्व को समझाना है।

अंबाला। शिक्षकों के साथ शिविर में मौजूद जांच टीम। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा के साथ-साथ खेलों से बच्चों का पूर्ण विकास :डॉ. विकास कोहली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर स्थित पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राइमरी विंग में वार्षिक खेल दिवस प्रतियोगिता के तीसरे व अंतिम चरण में कक्षा पांचवीं के 290 छात्र-छात्रओं ने खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसमें स्केटिंग , कैरम , चेस , कराटे, वुशु और बॉक्सिंग, 100 मीटर रेस का आयोजन करवाया गया। बच्चों ने आपसी समन्वय, खेल भावना व पुरे आत्मविश्वास से इस खेल दिवस में हिस्सा लिया। सभी खेल विभिन्न प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की निगरानी में करवाए गए। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. विकास कोहली ने कहा कि खेल जीवन का एक अभिन्न अंग है। शिक्षा के साथ साथ खेलों से बच्चों का पूर्ण विकास होता है। वे आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनते है। उन्होंने बताया कि खेलों में अग्रणी भूमिका निभाते हुए स्कूल बच्चों को राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर भेजता है।

अंबाला। चेस स्पर्धा में हिस्सा लेते छात्र। फोटो : हरिभूमि

भूमि विवाद को लेकर हमले में महिला सहित तीन घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

नन्यौला गांव में जमीन विवाद के चलते युवक ने अपने साथियों सग मिलकर ताऊ, चाचा व चाची पर डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनने के बाद अन्य ग्रामीणों ने बीचबचाव कर मामले को शांत करवाया। इस मारपीट में सुरिंद्र सिंह, स्वर्ण सिंह व बलबीर कौर घायल हो गए। नग्गल थाना पुलिस ने गुरजीत सिंह की तहरीर पर निर्मल सिंह, तरनवीर, परमजीत सिंह, तरनजीत के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। गुरजीत ने बताया कि उसके दादा श्रवण सिंह ने उनके पिता सुरिंद्र सिंह व उनके चाचा बलविंद्र सिंह और स्वर्ण सिंह को बराबर जमीन बांटकर दी थी। भीतर का मकान चाचा बलविंद्र सिंह के हिस्सा में आया था और बाहर बाड़े की जगह उसके पिता वा चाचा स्वर्ण सिंह के हिस्सा में आ गई थी। 19 नवंबर को वह अपनी जगह की गिनती करवाने के बाद अपनी जगह पर पिल्लर लगा रहे थे तभी झगड़ा हो गया। देखते ही देखते चाचा का बेटा निर्मल सिंह व उसके साथ तरनवीर व 6 अन्य युवक कार में पहुंचे। सुरिंद्र सिंह, स्वर्ण सिंह व बलबीर कौर पर हमला कर भाग गए। अब पुलिस आरोपियों को तलाश रही है।

उत्साह के साथ ब्लाइंड क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ, चार टीमें कर रहे हिस्सेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

कस्बे में ब्लाइंड क्रिकेट नॉर्थ ज़ोन टूर्नामेंट बड़े उत्साह और जोश के साथ शुरू हो गया। यह टूर्नामेंट 24 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। इसका संचालन ब्लाइंड क्रिकेट अकादमी हरियाणा नॉर्थ ज़ोन के सेक्रेटरी कृष्ण मलिक द्वारा किया जा रहा है। इस शुभारंभ अवसर पर एसडीएम सतीश सिहाग ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने पहली गेंद खेलकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया जिससे पूरे मैदान में उत्साह का वातावरण बन गया। इसी क्रम में चेयरमैन इंद्रजीत सिंह ने भी गेंद खेलकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और टूर्नामेंट की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। क्रिकेट बोर्ड के कार्यकारिणी अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि टूर्नामेंट में कुल चार टीमें भाग ले रही हैं। इनमें गुरुग्राम , रोहतक , अंबाला और हिसार शामिल है । अनिल कुमार, कंवर प्रताप, हरेंद्र आदि मौजूद रहे।

बराड़ा। मैच से पूर्व खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते मुख्यातिथि।

राजनीति | पार्टी लाइन से हटकर सार्वजनिक प्लेटफोर्म पर ब्यानबाजी करने वाले नेताओं के खिलाफ होगी ठोस

अनुशासन कमेटी ने जिलाध्यक्षों के साथ पार्टी नेताओं को पढ़ाया अनुशासन का पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन कमेटी ने शनिवार को पार्टी के जिलाध्यक्षों समेत दूसरे नेताओं व कार्यकर्ताओं को अनुशासन का पाठ पढ़ाया। कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व सांसद धर्मपाल सिंह मलिक ने साफ कहा कि पार्टी लाइन के खिलाफ सार्वजनिक तौर पर बयान देने वाले नेताओं के खिलाफ अब ठोस कार्रवाई होगी। बेशक बयान देने वाले पार्टी के विधायक व वरिष्ठ नेता ही क्यों न हों? असल में शनिवार को अंबाला छावनी के कांग्रेस भवन में कमेटी के अध्यक्ष चौधरी धर्मपाल मलिक की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन कमेटी की अहम मीटिंग हुई। इस मीटिंग में पार्टी के शहरी व ग्रामीण अध्यक्षों के साथ बड़ी संख्या में नेता व कार्यकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया। बैठक में समिति के सदस्य पूर्व सांसद कैलाशो सैनी, पूर्व विधायक अनिल कुमार धंतौड़ी तथा सदस्य-सचिव एडवोकेट रोहित जैन उपस्थित रहे। समिति के सदस्य-सचिव श्री रोहित जैन ने बताया कि पार्टी में अनुशासन बनाए रखने के लिए पार्टी हाईकमान की ओर से बनाई गई अनुशासन कमेटी ने अपना काम शुरू कर दिया है।

अंबाला। मीडिया से बातचीत करते कांग्रेस अनुशासन कमेटी के चेयरमैन व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मिली जिम्मेदारी पर उतरेंगे खरा

अनुशासन समिति के चेयरमैन चौधरी धर्मपाल सिंह मलिक ने अंबाला छावनी के कांग्रेस भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए साफ कहा की केंद्रीय नेतृत्व की ओर से उन्हें बड़ी अहम जिम्मेदारी दी है वे उस पर पुरी तरह खरा उतरेंगे । उन्होंने कहा कि उनकी कमेटी के गठन का उद्देश्य पूरी तरह से साफ है। उन्होंने कहा की अनुशासन समिति को हिसार व सिरसा से कुछ शिकायते मिली है। इन शिकायतों पर हम कार्रवाई करने जा रहे है। जिन नेताओ ने पार्टी के दिशा निर्देशों की पालना नही की है उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजे जाएंगे। नोटिस का संतोष जनक जवाब न मिलने पर कड़ी करवाई होगी। मलिक ने कहा की अनुशासन समिति का कोई सदस्य या चेयरमैन किसी गुट का नहीं है। केंद्रीय नेतृत्व की और से मिली जिम्मेदारी को निभाने के लिए पुरी कमेटी एकजुट है। उन्होंने कहा की कोई भी नेता या कार्यकर्ता पार्टी से बड़ा नही होता, हमने सख्ती के साथ सभी नेताओं को यह स्पष्ट कर दिया है की वे पार्टी से बड़े नहीं हैं । पूछे जाने पर मलिक ने कहा की अभी तक कमेटी के पास लिखित में 4 शिकायतें आई हैं।

पांच जोन में बांटा प्रदेश

अनुशासन कमेटी के सदस्य सचिव एडवोकेट रोहित जैन ने बताया कि कमेटी सभी जिलों में अनुशासन को लेकर बैठक आयोजित कर रही है। अंबाला छावनी में हुई बैठक तय कार्यक्रम का हिस्सा है। सभी जिलों में मीटिंग को लेकर कमेटी ने पूरे प्रदेश को पांच जोन में बांटा है। पहले जोन में पंचकुला, यमुनानगर, अंबाला, कुरूक्षेत्र तथा कैथल और दूसरे जोन में करनाल, पानीपत, सोनीपत व जींद को शामिल किया गया। इसी प्रकार तीसरे जोन में रोहतक, झज्जर, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, भिवानी व दादरी तथा चौथे जोन में फरीदाबाद, गुरुग्राम, नूंह व पलवल को रखा गया। हिसार, रोहतक, फतेहाबाद व सिरसा को पांचवें जोन में रखा गया। उन्होंने बताया की अनुशासन कमेटी की अगली मीटिंग तीसरे जोन के जिले भिवानी में 6 दिसंबर 2025 को आयोजित की जाएगी।

गोल्ड लाइफ स्कूल में हस्तलिखित सेमिनार

राजौंद। गोल्ड लाइफ स्कूल में हस्तलिखित लेखन कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में विश्व रिकॉर्ड होल्डर ओमप्रकाश सिवाच ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया और विद्यार्थियों को सुंदर व स्पष्ट लिखावट के महत्व और तकनीकों से अवगत कराया। सेमिनार की शुरुआत में विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा अतिथि का स्वागत किया। इसके बाद ओमप्रकाश सिवाच ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सुंदर लिखावट केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने का माध्यम नहीं, बल्कि यह व्यक्ति की सोच, अनुशासन और व्यक्तित्व को भी दर्शाती है। उन्होंने बच्चों को अक्षरों की सही बनावट, पेन पकड़ने का सही तरीका, लाइन में लिखने का अभ्यास और नियमित अभ्यास की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।

बदल रहा मौसम का मिजाज
बढ़ती गर्मी-घटती सर्दी

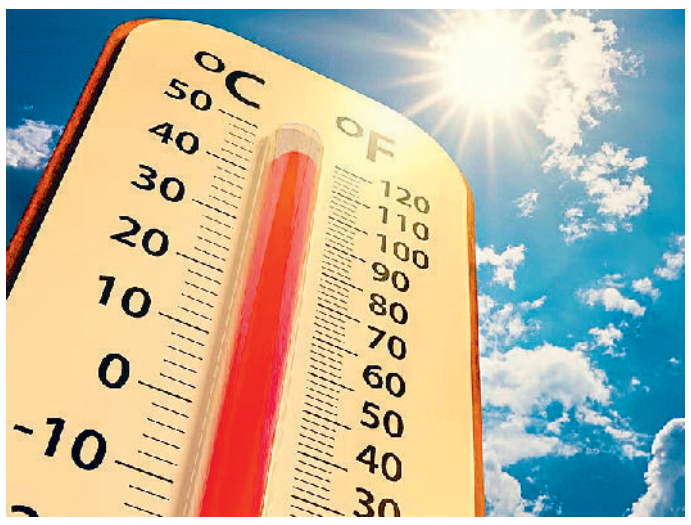

हालांकि इस वर्ष आने वाले दिनों के लिए कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना बताई जा रही है। लेकिन जिस तरह से मौसम का मिजाज वैश्विक स्तर पर बदल रहा है, उससे आगामी वर्षों में सर्दी की अवधि और उसकी तीव्रता घटती जाएगी। इसके उलट वर्षा कम होगी और गर्मी की तपिश बढ़ती जाएगी। इसके कई दुष्प्रभाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में प्रभावी नीति बनाने के साथ सामूहिक प्रयास भी करने होंगे।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

सर्दी धीरे-धीरे बढ़ रही है। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार आने वाले दिनों में उत्तरी भारत में प्रबल शीत लहर की आशंका है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस साल जबरदस्त ठंड पड़ेगी। वजह होगी पर्याप्त वर्षा और अलनीनो प्रभाव। मगर क्या इस दौरान हम कड़कड़ाती सर्दियों वाले दिनों के लंबे दौर भी देखेंगे? यह भी आशंका है कि ठेठ ठिठुरन वाले दिन कुछ कम ही रहेंगे। सर्द रातों और ठंडी हवाओं का कम होना, केवल मौसम का प्रश्न नहीं बल्कि जीवन के संतुलन से भी जुड़ा है। यदि सरकारों ने वैज्ञानिक नीतियों को जनजीवन से जोड़ने की गति नहीं बढ़ाई और आम लोगों ने जरूरी सहभागिता नहीं की तो आने वाले वर्ष 2100 तक भारतीय उपमहाद्वीप का मौसम ऐसा होगा, जहां 'गर्मी ही सामान्य' और 'सर्दी एक दुर्लभ अनुभव' रह जाएगी।

आने वाले वर्षों में घटेगी सर्दी

संयुक्त राष्ट्र संघ एन्वॉयर्नमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट की रिपोर्ट बताती है कि 1980 से 2020 के बीच यानी चालीस सालों में बेहद ठंडी रातों और अत्यंत सर्द दिनों की संख्या में चार गुना की कमी आई है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जमीनी सतह का तापमान बढ़ने से बाकी दिनों में भी ठंड सामान्य ही रह रही है। ऐसे में घने कोहरे वाले दिन भी साल दर साल घट रहे हैं। यदि मौजूदा रुझान जारी रहा तो साल 2050 तक भारत में भीषण सर्दी वाले दिनों में 60 से 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आने और गर्मी वाले दिनों में तीन गुना बढ़ोत्तरी की आशंका है।

ठंड की अवधि होती जाएगी कम

नेचर पत्रिका के अध्ययन के अनुसार 2080 से 2100 के बीच गर्म दिनों और रातों की घटनाएं सात गुना तक बढ़ेंगी। इस कारण 'कड़ाके की ठंड के दिन' लगभग विलुप्त हो सकते हैं। फिलहाल यह तय है कि अब सर्दियां 'पिछली शताब्दियों जैसी लंबी और स्थायी' नहीं होंगी। ठंड की अवधि कुछ कम और तीव्रता अस्थाई रहेगी। अल्पकालिक मौसमी उतार-चढ़ाव बने रहने के साथ सर्दी में भी कभी-कभी बारिश, गर्मी और पश्चिमी विक्षोभ के जैसे मौसम के अतिरेकी तेवर देखने को मिलेंगे। पांच-सात दशकों के बाद सर्दी का लगभग लोप हो जाना भविष्य के लिए कितना विनाशकारी होगा, इसका अंदाजा भी भयावह है।

बदल रहा है मौसम का चक्र

इस बात के संकेत अब स्पष्ट होने लगे हैं कि हिमालय से लेकर दक्षिण तक मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है। भारत 'गर्मी प्रधान देश' बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में कई जगहों पर बीते एक-दो दशकों के बीच तापमान में सामान्यतः तीन डिग्री तक की बढ़त देखी गई है। कमोबेश यही हाल हिमाचल और कश्मीर का भी है। वैज्ञानिकों के अनुसार भारत में न्यूनतम तापमान प्रति दशक औसतन 0.2 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ता जा रहा है। इसका मतलब है कि ठंडी हवाएं चलने की अवधि सिमटती जा रही है, जबकि गर्म रातें अब लंबी चलती हैं। इसका नतीजा यह है कि मिट्टी में नमी दिन-प्रतिदिन घट रही है। पेड़ कटने से हवा की नमी भी कम हो रही है। उधर जलस्रोत सूख रहे हैं, तो नदियों और पहाड़ी जलस्रोतों का पुनर्भरण कम हो रहा है और इसके चलते वर्षा चक्र अस्थिर हो गया है।

फसलों पर दिख रहा असर

हिमालयी और पर्वतीय राज्यों में इसका असर अब साफ दिख रहा है। सेब, केसर और बागवानी की अन्य फसलें जो ठंडी रात-दिन के अंतर पर निर्भर हैं, उनका उत्पादन गिरने लगा है। सेब के फूल बिन मौसम खिल जा रहे हैं, तो उनके पकने और रसीले होने के लिए जो कड़क सर्दी चाहिए, वह उनको लगातार कुछ दिनों तक नहीं मिल रही, सो गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है। किसान अब कम ऊंचाई पर 'ऊष्णकटिबंधीय फसलें', बाजरा और मक्का उगाने को मजबूर हैं, जिससे पहाड़ी कृषि की पारंपरिक पहचान मिटती जा रही है। फूलों और औषधीय पौधों की जैवविविधता भी खतरे में है, उनकी रासायनिक गुणवत्ता, औषधीय प्रभावशीलता भी कम हो रही है, क्योंकि तापमान बढ़ने से परागण और फूलने का समय असंतुलित हो गया है, उनके रासायनिक संघटक बदल जा रहे हैं।

स्वास्थ्य-पर्यावरण पर पड़ेगा असर

पर्यावरणविद और मौसम विज्ञानी दोनों इस बात पर सहमत हैं कि बदलते मौसम की वजह से नमी विहीन सूखी गर्म हवाओं की अवधि 2050 तक दोगुनी हो सकती है। यह बदलाव खेती किसानी से लेकर जीवन के लिए आवश्यक जैविक सूक्ष्मजीवों के पनपने में असंतुलन तो पैदा करेगा ही, साथ ही कीट-रोगों के फैलाव जैसी समस्याएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 2030 तक भारत में गर्मी से उपजी बीमारियों से मरने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ सकती है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नए क्षेत्रों में भी पैर पसारेंगी। विशेष रूप से वृद्धजन, बच्चे और मजदूरी करने वाले सबसे अधिक जोखिम में हैं। जाहिर है इस प्रक्रिया से जनधन दोनों को बहुत नुकसान होगा। जंगलों में आग को भी इससे हवा मिलेगी। इस तरह सर्द रातों का घट जाना सिर्फ मौसम परिवर्तन नहीं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के अस्थिर होने का संकेत है।

होगा भारी आर्थिक नुकसान

भीषण सर्दी वाले दिनों के दौर कम होने से पैदा जलवायु असंतुलन का सीधा नुकसान अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ेगा। बताते हैं, वैश्विक तापमान में चार डिग्री सेल्सियस का इजाफा, अर्थव्यवस्था को 40 फीसदी कमजोर कर देगा। अनुमान है कि जलवायु आपदाओं के कारण देश को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 फीसदी तक घट सकता है। अगर दुनिया वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने में सफल भी हो जाती है, तो इसकी वजह से प्रति व्यक्ति औसत जीडीपी में 16 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

बढ़ेंगी प्राकृतिक आपदाएं

घटती सर्दी, बढ़ती गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में कमी, जीडीपी को कम करेगी। फ्लैश फ्लड, बादल फटने एवं बाढ़ तथा भू-स्खलन की घटनाओं की संख्या और भयावहता दोनों बढ़ेंगी तो अवसंरचना को नुकसान होगा। इसका परोक्ष प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। *

बनना होगा एन्वॉयर्नमेंटल कॉन्शस

एन्वॉयर्नमेंटल मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्टों ने भारत की जलवायु को लेकर जो गंभीर चेतावनी दी है, उसके प्रति सरकार और जनमानस में कितनी चिंता है, इसके प्रति उनका सरोकार कैसा है यह तो निकट भविष्य में पता चलेगा। लेकिन अब समय आ गया है कि सरकारों को इसके लिए बहुस्तरीय तैयारी करनी होगी। शहरों में 'ग्रीन बेल्ट' और कूलिंग-कॉरिडोर नीति को अनिवार्यतः लागू करना होगा। पर्वतीय राज्यों में जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण, ग्लेशियर तथा निगरानी प्रणालियां बढ़ानी होंगी। शहरी इलाकों में हरित आवरण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तनों को सह सकने वाली फसलों के अनुसंधान को बढ़ावा मिलना चाहिए। जंगलों की कटाई पर रोक लगे। पर्यावरणीय चेतना को प्राथमिकता दिए बिना इस आसन्न संकट से बचाव कठिन है।

हम जैसा भोजन करते हैं, उससे हमारे स्वास्थ्य पर ही नहीं पर्यावरण पर भी असर होता है। कई स्टडीज में साबित हुआ है कि प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट, हमारी हेल्थ और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। इस बारे में जानिए।

प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट
स्वस्थ जीवन-सुरक्षित पर्यावरण

जीवनशैली
मोनिका सिन्हा

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में जहां जंक फूड, नॉनवेज फूड्स और अत्यधिक प्रिजर्व्ड फूड्स हमारी थाली का हिस्सा बन चुकी हैं, वहीं वैज्ञानिक शोध बार-बार यह सिद्ध कर रहे हैं कि प्लांट आधारित भोजन यानी पौधों से उत्पन्न होने वाली डाइट, हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम भी काफी हद तक कम करता है।

स्टडीज में हुआ खुलासाः जुलाई 2024 में वी. वियालोन और उनके सह-लेखकों द्वारा प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह बताया गया कि जिन लोगों की जीवनशैली में धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन, असंतुलित खान-पान और अनियमित नींद जैसी आदतें शामिल नहीं थीं, उनमें टाइप 2 डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों का खतरा बहुत कम पाया गया। यह अध्ययन 'स्वस्थ जीवनशैली सूचकांक' पर आधारित था और इसका उद्देश्य यह समझना था कि व्यक्ति की आदतें उसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव डालती हैं।

कई बीमारियों से बचाएः प्लांट बेस्ड डाइट के फायदों को जानने की दिशा में किए गए डॉ. डी सुब्रमणियन के एक रिसर्च पेपर में यह बताया गया कि पौधों पर आधारित आहार लेने वाले लोगों में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है। इस अध्ययन में डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, स्पेन और ब्रिटेन सहित कई देशों के लगभग चार लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों और मेवों पर आधारित भोजन लेते हैं, उनमें 'मल्टीमॉर्बिडिटी' अर्थात एक साथ दो या अधिक दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा, काफी घट जाता है। शोध में यह भी पाया गया कि प्लांट आधारित आहार इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है, जिससे शरीर में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिक बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है।

कई पोषक तत्वों से होता है भरपूरः पौधों पर आधारित आहार उच्च फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाता है। अध्ययन से यह भी सिद्ध हुआ कि जो लोग नियमित रूप से फल, सब्जियां और अनाज का सेवन करते हैं, उनमें बीपी, कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक, हृदयाघात और टाइप 2 डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है।

होता है ईकोफ्रेंडलीः प्लांट आधारित भोजन का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। मीट, मछली और अंडे जैसे पशु आधारित भोजन की तुलना में पौधों पर आधारित भोजन से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत कम होता है। इसका सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संतुलन से है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टि से मेडिटेरेनियन आहार को दुनिया के कई देशों में स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, परंतु उसमें मछली और चिकन का उपयोग होता है। इसके विपरीत वीगन आहार में किसी भी पशु उत्पाद यहां तक कि दूध का भी उपयोग नहीं किया जाता। इस दृष्टि से प्लांट आधारित या वीगन आहार स्वास्थ्य के साथ-साथ नैतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अधिक उपयुक्त माना जाता है।

करना चाहिए प्रोत्साहितः अगर हम भारत की बात करें तो यहां लगभग 35 प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। वे अनाज, दालें, फल और सब्जियों को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करते हैं। इनमें से कुछ लोग दूध और दुग्ध उत्पाद भी लेते हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत लोग पूरी तरह वीगन डाइट लेते हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि भारत की शहरी आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह से पीड़ित है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्री डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अस्वस्थ खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। अब समय आ गया है कि हमारे नीति निर्माता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और आम नागरिक प्लांट आधारित आहार के महत्व को समझें। विद्यालयों, कार्यस्थलों और अस्पतालों में प्लांट आधारित भोजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को यह बताया जाना आवश्यक है कि मांस और तले हुए भोजन की जगह ताजे फल, सब्जिया, दालें और साबुत अनाज को अपनी थाली में शामिल करना फायदेमंद है। वर्तमान समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्लांट आधारित भोजन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आवश्यकता है। यह न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नैतिक जीवनशैली की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। अब समय है कि हम अपने भोजन के प्रति सचेत हों। प्लांट आधारित भोजन को अपनाकर हम न केवल अपना स्वास्थ्य सुधार सकते हैं, बल्कि धरती को भी अधिक सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। *

नवगीत
डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बेवा जैसी रातें

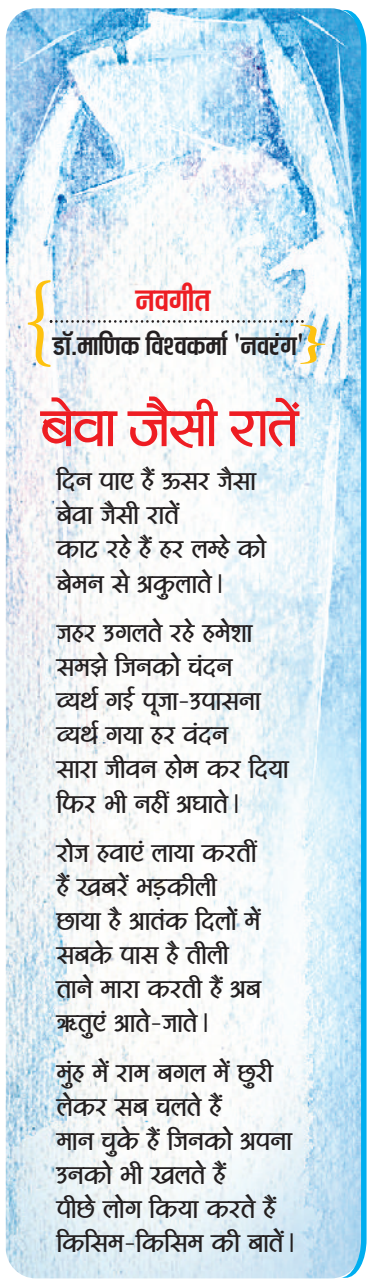

दिन पाए हैं ऊसर जैसा
बेवा जैसी रातें
काट रहे हैं हर लम्हे को
बेमन से अकुलाते।

जहर उगलते रहे हमेशा
समझे जिनको चंदन
व्यर्थ गई पूजा-उपासना
व्यर्थ गया हर वंदन
सारा जीवन होम कर दिया
फिर भी नहीं अघाते।

रोज हवाएं लाया करतीं
हैं खबरें भड़कीली
छाया है आतंक दिलों में
सबके पास है तीली
ताने मारा करती हैं अब
ऋतुएं आते-जाते।

मुंह में राम बगल में छुरी
लेकर सब चलते हैं
मान चुके हैं जिनको अपना
उनको भी खलते हैं
पीछे लोग किया करते हैं
किसिम-किसिम की बातें।

लघुकथाएं

कंपोस्ट

समाज सेवा के क्षेत्र में बृजेश जी के योगदान से प्रभावित वह उनसे मिलने उनके घर पहुंचा। लेकिन वहां पहुंचकर उसे बृजेश जी के व्यवहार और जीवनशैली में अलग ही रंग नजर आया।

दो सौ पांच .. दो सौ छह.. और यह दो सौ सात पता तो यही है, लेकिन यह मकान तो नहीं लग रहा।' मकान खोजते हुए मैं सोच रहा था। तभी नेमप्लेट पर नजर पड़ी- ब्रजेश आहूजा 'हम्म यही है।'

दरअसल, आठ-नौ वर्ष बाद मैं इस इलाके में आया था। इस बीच ये साधारण-सा घर न केवल सिंड्रेला की तरह कीमती लिबास पहन चुका था, बल्कि साथ वाले दो सौ आठ नंबर को डकार कर खासा मुटिया भी गया था। मकान की चार दीवारी के अंदर से झांकते अशोक के छोटे-छोटे पेड़ मानो, मुझे पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

'जब मैं पिछली बार आया था तब तुम नहीं थे।' मैंने भी जतला दिया और घर के दरवाजे पर लगी घंटी बजा दी। ब्रजेश जी वर्षों से समाज-सेवा के लिए समर्पित हैं। गरीबों, बेसहारों और वंचितों के लिए तीन तो एनजीओ चलाते हैं, और इनके अतिरिक्त भी कई संस्थाओं के परामर्श-मंडल में शामिल हैं। आए दिन इस पुण्य कर्म हेतु पुरुस्कृत और सम्मानित भी होते रहते हैं। आज भी मैं अपनी संस्था द्वारा दिए जा रहे सम्मान का निमंत्रण लेकर ही उनके घर पर आया था।

गेट खुलने में ज्यादा देर नहीं लगी। खोलने वाला अशोक के पेड़ों से पुराना था, सो उसने आदर से अंदर आने के लिए कहा। अंदर घुसते ही मकान के वैभव से थोड़ी चमत्कृत-सी आंखें इधर-उधर टोहने लगीं तो बृजेश जी अपने बगीचे के एक कोने में खड़े नजर आए। शाम के छह बज रहे थे। एयर कंडीशनर की ठंडी हवा खाने के अरमान को जब्त करते हुए मैंने बृजेश जी का अभिवादन किया और अपने चेहरे पर उभर आया पसीना पोंछते हुए यह बोल ही दिया, 'बृजेश जी! इतनी गर्मी में घर से बाहर यहां?'

'अरे! आओ-आओ मित्र! हम तो सेवक ठहरे। हमारे लिए क्या गर्मी वर्मी, वैसे कंपोस्ट बना रहे हैं। सरकार तो अब जागी है, हम तो कब से पर्यावरण के लिए प्रयासरत हैं।' उन्होंने सगर्व कहते हुए अपने सामने खोदे गए लगभग तीन फीट गहरे और ढाई फीट चौड़े एक गड्ढे की ओर संकेत किया। तभी घर के अंदर से उनका बावर्ची एक थाली में सब्जियों और फलों के ढेर सारे छिलके लाया और उस गड्ढे में डाल कर चला गया। तब तक माली बगीची से बटोरी सूखी पत्तियां ले आया था। उसने वो पत्तियां उस गड्ढे में डालीं और फिर बृजेश जी के इशारे पर उस पर मिट्टी की एक मोटी परत लगा दी।

'ये जैविक कचरा भी न, बड़े काम का होता है। ये जो लहलहाती बगिया देख रहे हो न, ये इसी से बनी कंपोस्ट का कमाल हैं।' बृजेश जी मुझे बताने लगे। तभी, उनके सेकरेट्री ने एनजीओ के किसी विदेशी दानकर्ता के कॉल पर होने की सूचना देते हुए फोन उनके हाथों में पकड़ा दिया। वो फोन पर बात करते हुए 'हे..हे..' करते हंस रहे थे और मेरी नजर बगिया से हटकर अब उनकी आलीशान कोठी पर टिक गई थी। *

– शोभना श्याम

एआई इमेज

सच्चाई

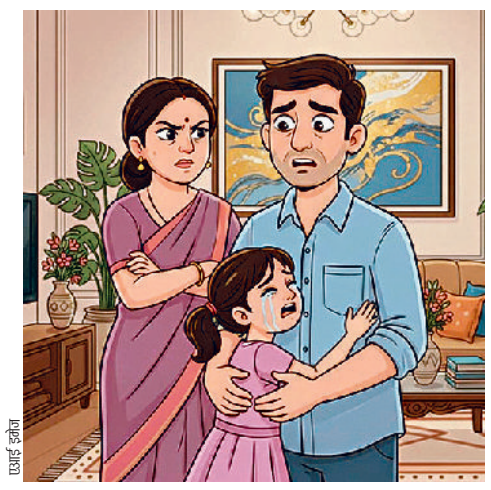

देखो नीलिमा, मुझे गांव जाना ही पड़ेगा। पिताजी इस दुनिया में नहीं रहे। उनके अंतिम संस्कार में तो नहीं जा पाया था लेकिन अब तेरहवीं में तो कम से कम जाना ही पड़ेगा। अरे भई, दुनिया को दिखाने के लिए जाना ही पड़ेगा। वरना लोग मुझे क्या कहेंगे? तुम बेबी के बर्थ-डे पार्टी को अच्छी तरह अरेंज कर लेना।'

तभी आठ वर्षीया बेबी वहां दौड़ती हुई आई और पापा से लिपटते हुए बोली, 'पापा आप कहां जा रहे हैं, मेरी बर्थ-डे पार्टी में आप नहीं रहेंगे क्या?'

यह सुनकर नीलिमा ने क्रोध भरे स्वर में कहा, 'तुम्हारे पापा अपने पिताजी की मरनी में जा रहे हैं। इन्हें तो हमारी कोई फिक्र ही नहीं है। अरे ऐसे व्यक्ति के मरने-जीने से हमें कोई मतलब नहीं रखना चाहिए। तुम्हारे पिताजी ने अपनी पूरी जमीन-जायदाद तुम्हारे छोटे भाई के नाम कर दी। तुम्हें क्या मिला? फिर भी तुम पिता की तेरहवीं में जाने के लिए परेशान हुए जा रहे हो।' अपने दादाजी के लिए मम्मी के मुंह से कटु वचन सुनकर बेबी को अच्छा नहीं लगा। वह रोते हुए अपनी मम्मी से बोली, 'दादाजी कितने अच्छे थे। एक बार यहां आए थे तो मुझे और चीकू भैया को कितना प्यार करते थे। हमें अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाया करते थे। मैं भी पापा के साथ गांव जाऊंगी।'

नीलिमा ने गुस्से में कहा, 'बेबी तुम कहीं नहीं जाओगी। तुम्हारा बर्थ-डे है न। गांव में तुम्हारे पापा, चाचा सब देख लेंगे।'

'मम्मी, आप इसलिए नाराज हो न दादाजी से कि उन्होंने पापा को जमीन नहीं दिया। चाचू को सब दे दिया। पर दादाजी क्या करते। आप लोग तो दादाजी को यहां बुलाते भी नहीं थे, न ही गांव उनसे मिलने जाते थे। चाचू तो दादाजी को हॉस्पिटल ले जाते थे, उनकी अच्छी तरह देखभाल करते थे।'

कुछ ठहरकर बेबी ने बड़ी मासूमियत से पूछा, 'मम्मी, क्या पापा के मरने पर चीकू भैया भी नहीं आएंगे।' यह सुनकर बेबी के मम्मी-पापा अवाक रह गए। *

-डॉ. शैल चंद्रा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रकृति से आबद्ध काव्याभिव्यक्तियां

वर्तमान हिंदी काव्य परिदृश्य में ज्ञानेंद्रपति, वरिष्ठतम पीढ़ी के प्रतिष्ठित कवियों में शामिल हैं। वह जीवन-संवेदना की जिस भावभूमि पर उतरकर कविता रचते हैं, उनकी अभिव्यक्ति दार्शनिक आख्यान बन जाती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में छप कर आए उनके नवीनतम कविता संग्रह 'प्रकृति और कृति' की कविताएं। यहां उनकी कविताओं में प्रकृति के तमाम घटक सहजता से आवाजाही करते हैं और हमें कुदरत को देखने का सर्वथा नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। *'तुम चले गए/और तुम्हारे साथ मेरे जीवन का संगीत चला गया।'* (एक चिड़े के लिए अशोक गीत) और *'निफूले जीवन में भी/ किसी फूल की सुगंध उठकर/नथुनों तक आती है/कभी कभी'* (चुपचाप) जैसी पंक्तियां इस बात का सघनता से अहसास कराती हैं कि प्रकृति से दूर होकर हमारा जीवन, निरंतर जीवंतता खोता जा रहा है। कितने मनोहारी और आनंदमयी अनुभूतियों से हम वंचित होते जा रहे हैं। कुछ कविताओं में वे बिल्कुल अलग तेवर में अपनी बात को पूरी सशक्तता से हमारे सामने रखते हैं। *'किताबें मनुष्यता की रीढ़ की उदग्र हड्डी बन चुकी हैं/ कोई भी अमानुषिक ताकत जिसे क्षत-विक्षत कर ले/क्षैतिज नहीं कर सकती।'* (मनुष्यता की रीढ़) *

पुस्तकः प्रकृति और कृति (कविता संग्रह), **रचनाकारः** ज्ञानेंद्रपति, **मूल्यः** 350 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

ग्रीन-अमेजिंग विंटर डेस्टिनेशंस

गर्मी के मौसम में घूमने के लिए तो आप हिल स्टेशंस जाते ही हैं। लेकिन अगर विंटर वेकेशंस में टूरिज्म की प्लानिंग कर रहे हैं तो आप कुछ ऑफबीट लेकिन खूबसूरत स्थलों का रुख कर सकते हैं। यहां की ग्रीनरी और नेचुरल टच आपको कभी न भूलने वाला अनुभव प्रदान करेंगे।

वाहनों के प्रदूषण से मुक्त माथेरान, महाराष्ट्र

टूरिस्ट प्लेसेस
शिखर चंद जैन

अगर आप शहरी भीड़-भाड़, शोरगुल और भाग-दौड़ से कुछ दिनों की छुट्टी चाहते हैं तो इस बार सर्दी की छुट्टियों में रुख करिए कुछ अल्पज्ञात मगर शांत, प्रकृति की गोद में बसे हरे-भरे विंटर डेस्टिनेशंस की ओर। यहां आपको सुकून और शांति का अहसास होगा।

हरा-भरा शीतलाखेत, उत्तराखंडः उत्तराखंड के अल्मोड़ा में स्थित शीतलाखेत एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह हिमालयी गांव अपने मनोरम कुमाऊंनी दृश्यों और शांत माहौल के लिए जाना जाता है। शीतलाखेत, प्रसिद्ध टूरिस्ट प्लेस रानीखेत के पास स्थित एक उभरता हुआ पर्यटन स्थल है। इस क्षेत्र में आने वाले मुख्य पर्यटक ट्रैकर्स ही होते हैं। यहां की सभी गतिविधियां पर्यावरण के अनुकूल होती हैं। शहरों के लोग वहां के प्रदूषण से दूर, एक सुकून भरी छुट्टी बिताने के लिए शीतलाखेत आते हैं।

हरा-भरा हिल स्टेशन शीतलाखेत, उत्तराखंड

कश्मीर जैसा दरिंगबाड़ी, ओडिशाः दरिंगबाड़ी, ओडिशा के पूर्वी घाट का एक हिस्सा है, जो कंधमाल जिले में स्थित है। यह राजधानी भुवनेश्वर से 251 किलोमीटर दूर है। यह हिल स्टेशन छोटी-छोटी हरी-भरी पहाड़ियों, नदियों और झरनों से भरा है। इस क्षेत्र में चीड़ और साल के पेड़ बहुतायत में हैं। यहां आपको कॉफी के बागान भी देखने को मिलेंगे। दारिंगबाड़ी को प्राकृतिक सुंदरता के कारण ओडिशा का कश्मीर कहा जाता है। यह ओडिशा के ग्रीन कूल पर्यटन स्थलों का नया चेहरा है। प्रकृति के संरक्षण के लिए यहां कई पार्क और रिजर्व बनाए गए हैं। स्थानीय समुदायों ने पर्यटकों को क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों के बारे में बताने के लिए जगह-जगह प्रकृति शिविर बनाए हैं। सर्दियों के शुरुआती महीने, दरिंगबाड़ी घूमने के लिए आदर्श समय माना जाता है।

दक्षिण का चेरापूंजी अगुंबे, कर्नाटकः कर्नाटक के शिमोगा जिले में स्थित, अगुंबे एक छोटा-सा गांव है। इसे दक्षिण भारत का चेरापूंजी भी कहा जाता है। जैव विविधता से भरपूर इस क्षेत्र में दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा वर्षा होती है और भारत में दूसरी सबसे ज्यादा वार्षिक वर्षा होती है। यह हिल स्टेशन मनोरम सुंदरता और ट्रैकिंग ट्रेल्स से भरपूर है। यह अंतिम जीवित निचले वर्षा वनों में से एक है। अगुंबे ही टीवी धारावाहिक 'मालगुडी डेज' में भारत के बेहद प्रसिद्ध काल्पनिक शहर मालगुडी का वास्तविक दृश्य था। यह मिरिस्टिका, लिस्टेसिया, गार्सिनिया, डायोस्पायरोस, यूजेनिया आदि औषधीय पौधों की कुछ दुर्लभ प्रजातियों का घर है। इसलिए इसे 'हसिरु होन्नू' उपनाम मिला है, जिसका अर्थ है हरा सोना। एक विशाल वर्षा वन और विविध वनस्पतियों और जीवों का घर होने के कारण, अगुंबे में अगुंबे वर्षावन अनुसंधान केंद्र स्थित है। यह भारत का सबसे पुराना मौसम केंद्र है, जो वर्षावन क्षेत्रों में होने वाले किसी भी बदलाव पर विशेष नजर रखता है। अगुंबे को 'कोबरा राजधानी' भी कहा जाता है क्योंकि यहां बड़ी संख्या में कोबरा पाए जाते हैं।

कश्मीर जैसी मनमोहक वादियों वाला दरिंगबाड़ी, ओडिशा

भरपूर बारिश के लिए प्रसिद्ध अगुंबे, कर्नाटक

वाहन मुक्त माथेरान, महाराष्ट्रः महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पश्चिमी घाट की सह्याद्री पर्वत श्रंखलाओं के बीच स्थित माथेरान एक आकर्षक और लोकप्रिय हिल स्टेशन है। समुद्र तल से लगभग 2,625 फीट की ऊंचाई पर बसा यह स्थान अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के लिए जाना जाता है। माथेरान को एशिया का एकमात्र ऑटोमोबाइल मुक्त (वाहन-मुक्त) हिल स्टेशन होने का गौरव प्राप्त है, जिसका अर्थ है कि यहां किसी भी प्रकार के मोटर वाहन प्रतिबंधित हैं। यहां पर्यटक पैदल, घोड़ों पर या हाथ से खींची जाने वाले रिक्शा से घूम सकते हैं। माथेरान कई मनमोहक पॉइंट्स के लिए प्रसिद्ध है। यहां का पैनोरमा पॉइंट 360 डिग्री का विहंगम दृश्य प्रस्तुत करता है और सूर्योदय, सूर्यास्त दृश्य के लिए बहुत लोकप्रिय है। ईको पॉइंट पर गूंजती आवाजें सुनी जा सकती हैं। लुईसा पॉइंट और किंग जॉर्ज पॉइंट अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाने जाते हैं। यहां मौजूद शार्लोट लेक एक शांत झील है, जिसके आस-पास लोग खूब पिकनिक मनाने आते हैं। माथेरान की यात्रा का मुख्य आकर्षण नेरल से माथेरान तक चलने वाली प्रसिद्ध नैरो-गेज 'टॉय ट्रेन' है। लगभग 21 किलोमीटर लंबी यह रेल यात्रा घने जंगलों और घुमावदार रास्तों से होकर गुजरती है, जो यात्रियों को एक अद्भुत और यादगार अनुभव देती है। माथेरान मुंबई से लगभग 100 किमी और पुणे से 120 किमी की दूरी पर स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन नेरल है, जहां से टॉय ट्रेन या टैक्सी द्वारा माथेरान के प्रवेश द्वार तक पहुंचा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों और शहर की भाग-दौड़ से दूर शांति की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए, माथेरान एक परफेक्ट डेस्टिनेशन हैं।

सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली, असमः माजुली, असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है। माजुली और राज्य की राजधानी गुवाहाटी के बीच की दूरी 347 किलोमीटर है। यहां मौजूद ग्रामीण भारत के मनोरम दृश्य दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करते हैं। यह द्वीप एक प्रदूषण-मुक्त क्षेत्र है। माजुली द्वीप हाल ही में सुर्खियों में आया था क्योंकि तेज कटाव के कारण यह डूबने की कगार पर पहुंच गया था। स्थानीय सरकार ने द्वीप पर एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। प्राकृतिक सुंदरता के अलावा, इस द्वीप में कई सांस्कृतिक और धार्मिक इमारतें भी स्थित हैं। k

जलेबी बहुत लोकप्रिय मिठाई है, जो देश के कई इलाकों में खूब पसंद की जाती है। लेकिन इससे कई गुना बड़ा और भारी जलेबा कुछ ही स्थानों पर मिलता है। जलेबी और उसके बड़े भाई जलेबा से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

रसभरी जलेबी का बड़ा भाई जलेबा

रोचक
अभिव्यक्ति त्रिवेदी

जलेबी तो आप सभी ने जरूर खाई होगी। बाहर से कुरकुरी और भीतर से रसभरी जलेबी भला किसे पसंद नहीं होगी। लेकिन क्या आप जानते हैं जलेबी का एक भाई भी है, जिसे कहते हैं जलेबा।

पहले बात जलेबी कीः जलेबी हर वर्ग के लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय व्यंजन है। स्वाद में मीठी, कुंडलाकार जलेबी भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, ईरान के साथ लगभग सभी अरब देशों में खाई जाती है। जलेबी के इतिहास की बात करें तो इसकी शुरुआत किसी इस्लामिक देश से मानी जाती है। मध्यकालीन किताब 'किताब-अल-तबीक' में भी 'जलाबिया' नामक मिठाई का उल्लेख मिलता है, जो अरेबिक शब्द है। फारसी में इसे 'जलिबिया' कहते हैं। 10वीं शताब्दी की अरेबिक पाक कला किताब में भी 'जुलुबिया' बनाने की कई रेसिपीज का उल्लेख मिलता है। इतिहासकारों की मानें तो जलेबी 500 साल पहले, जब तुर्की आक्रमणकारी भारत आए थे तब, हिंदुस्तान में पहुंची थी। जुलुबिया, जो अब जलेबी के नाम से जानी जाती है, एक मिठाई है। इसे मूल रूप से ईरान में इसी नाम से जाना जाता था। यह मध्यकाल में तुर्की और फारसी व्यापारियों के साथ भारत आई और धीरे-धीरे भारत में एक लोकप्रिय मिठाई बन गई। 10वीं शताब्दी के एक अरबी ग्रंथ में भी इस मिठाई का उल्लेख है, जिसमें इसे 'जलाबिया' कहा गया है।

कई नाम हैं प्रचलितः श्रीलंका में इसे 'पानी वलालु' कहते हैं, जो उड़द और चावल के आटे से बनती है। भारत के उत्तर-पश्चिम में इसे जलेबी, महाराष्ट्र में जिलबी तथा बंगाल और बांग्लादेश में 'जिलपी' कहा जाता है। ईरान के अलावा ट्यूनीशिया में इसे 'जष्लबिया' के नाम से जाना जाता है, वहीं नेपाल में इसे 'जेरी' कहते हैं।

कई रूपों में प्रसिद्धः भारत के लगभग हर कोने में जलेबी बहुत लोकप्रिय है, लेकिन यह उत्तर भारत, पश्चिम बंगाल और बिहार में विशेष रूप से पसंद की जाती है। मध्य प्रदेश के जबलपुर में 'खोया जलेबी' प्रसिद्ध है तो आंध्र प्रदेश के तेनाली में गुड़ की जलेबी लोकप्रिय है, जिसे 'वेल्लम जिलेबी' कहा जाता है। गुजरात में 'जलेबी-फाफड़ा' नाश्ते के तौर पर बहुत प्रचलित है। भारत की तरह ही, पाकिस्तान, बांग्लादेश, ईरान और कई अरब देशों में भी जलेबी को बहुत पसंद किया जाता है।

ऐसे बनाते-खाते हैं जलेबीः जलेबी बनाने में मैदा, यीस्ट यानी खमीर, घी या तेल, शक्कर और पानी का इस्तेमाल किया जाता है। इनके अलावा पनीर जलेबी, आलू की जलेबी, मावा-खोया जलेबी आदि कई प्रकार की जलेबियां मार्केट में उपलब्ध हैं। कई शहरों में इसे पोहा-जलेबी, रबड़ी जलेबी, दूध-जलेबी आदि कई तरह से खाया जाता है।

लाजवाब होता है जलेबाः अपने देश में कुछ जगहों पर और खास अवसरों पर बड़े आकार की जलेबी, जिसे जलेबा कहते हैं, बहुत लोकप्रिय है। जलेबी और जलेबा में मुख्य अंतर उनके आकार और गाढ़ेपन का होता है। एक जलेबा करीब 250 ग्राम वजन का हो सकता है। जलेबा एक सामान्य जलेबी का विशाल और मोटा संस्करण यानी 'किंग साइज' संस्करण होता है, जिसका हर टुकड़ा काफी बड़ा होता है। इसे पकने और चाशनी में पूरी तरह भीगने के लिए ज्यादा समय तक तला जाता है, जबकि जलेबी पतली और कुरकुरी होती है।

कुछ ही जगह मिलता है जलेबाः जलेबा कुछ ही जगहों पर मिलता है। भारत की धार्मिक राजधानी बनारस में भादो महीने में रतजगा पर्व के अवसर पर जलेबा मिलता है। वहां के भरतपुर, झंझोर, उदार, बरवा सहित कई गांवों में जलेबा की दुकानों पर शाम होते ही भीड़ लग जाती है। इसके अलावा दीपावली के अवसर पर पुरानी दिल्ली के कुछ इलाकों में, हरियाणा के मेवात में भी जलेबा बनाया और चाव से खाया जाता है। k

विशिष्ट पेड़
वीना गौतम

स्वास्थ्य-आर्थिक लाभ दिलाए एवोकेडो का पेड़

एवोकेडो (वानस्पतिक नाम-पर्सिया अमेरिकाना) मूल रूप से मध्य अमेरिका, विशेष रूप से मैक्सिको, ग्वाटेमाला और पेरू में पाया जाने वाला पेड़ है, जो सन 1900 के आस-पास भारत में अंग्रेजों के जरिए आया था। तब से कई दशको तक यह एक सजावटी फल के रूप में केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक तक ही सीमित रहा। 60 के दशक के बाद से लोगों ने इसके महत्व को जानना-समझना शुरू किया। अपनी न्यूट्रीशन वैल्यू के कारण एवोकेडो का फल सुपरफूड के रूप में दिनों-दिन विख्यात होता गया और इसकी डिमांड दिन-ब-दिन बढ़ती गई।

अनुकूल भौगोलिक स्थितियांः एवोकेडो लगभग 18 से 28 डिग्री सेंटीग्रेड यानी मध्यम तापमान वाले वातावरण में अच्छी तरह फूलता-फलता है। इसलिए इसे उत्तर और मध्य भारत के ऐसे इलाकों में उगाया जा सकता है, जहां कड़ी ठंड या भीषण गर्मी नहीं पड़ती। मसलन उत्तराखंड के हलद्वानी, काशीपुर, उधमसिंह नगर आदि में इसकी खेती की जा सकती है। इसके अलावा हिमाचल के निचले हिस्सों में, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में एवोकेडो की खेती की जाती है।

ध्यान रखने योग्य बातेंः एवोकेडो का पौधा फरवरी-मार्च या अगस्त-सितंबर के बीच रोपना चाहिए। पहले 15 से 20 दिन में लगातार सिंचाई करनी चाहिए। जनवरी से जून के बीच जब फल लगने का समय होता है, उस समय इस पेड़ को लगातार सींचना चाहिए, नहीं तो फल सूखकर गिर जाते हैं। पेड़ के इर्द-गिर्द मलचिंग करनी चाहिए ताकि नमी बनी रहे और खरपतवार न बनें।

किसानों के लिए है फायदे का सौदाः एवोकेडो की बढ़ती मांग के कारण आज इसका बाजार मूल्य 300 से 400 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गया है। यही कारण है कि एवोकेडो की फसल भारत में किसानों के लिए फायदेमंद 'कैश क्रॉप' रूप में उभरी है। आमतौर पर एवोकेडो का पेड़ तीन से चार साल के बीच में फल देना शुरू कर देता है। अच्छी तरह विकसित एवोकेडो का एक पेड़ औसतन 80 से 150 किलोग्राम फल हर वर्ष देता है। अगर एक एकड़ में एवोकेडो के 100 पेड़ लगा लिए जाएं तो किसान को हर साल औसतन 2 से 8 लाख रुपए की कमाई आसानी से हो सकती है। k

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश

फूल अपनी खूबसूरती, सुगंध और मोहकता के लिए जाने जाते हैं। हिंदी फिल्मों में भी फूलों ने नायिकाओं की खूबसूरती में चार चांद लगाने में बड़ी भूमिका निभाई है। साथ ही फिल्मी गीतों और सींस को रूमानी बनाने में भी फूलों का अहम रोल रहा है। हिंदी फिल्मों और फूलों के कनेक्शन पर एक नजर।

फूलों से खूब निखरती रही है फिल्मी एक्ट्रेसेस की खूबसूरती

अधिकांश फूल अपने-आप में इतने सुंदर-मोहक होते हैं कि उन्हें देखकर मन प्रफुल्लित हो उठता है। उस पर जब कोई फिल्म अभिनेत्री अपने बालों में कोई फूल या फूलों का गजरा लगा ले तो उनकी खूबसूरती में मानो चार चांद लग जाते हैं। नरगिस से लेकर नरगिस फाखरी तक, हेलन से हेमा मालिनी तक, रेखा से राखी तक, मीना कुमारी से मुमताज तक, शर्मिला टैगोर से शिल्पा शेट्टी तक, माला सिन्हा से माधुरी दीक्षित तक। चाहे किसी भी पीढ़ी की अभिनेत्री रही हों, सभी ने अपनी सुंदरता बढ़ाने के लिए फूलों को न सिर्फ अपने बालों में लगाया बल्कि उनकी रंगत इस तरह बिखेरी कि हर दौर में दर्शक उनके जलवों के कायल होते रहे हैं। फिल्म निर्माता-निर्देशकों के लिए फूल सदियों से प्रेरणा का सबब रहे हैं। हर रंग, हर तरह के फूल फिल्मी दृश्यों की सुंदरता, नजाकत और काव्यात्मकता को बढ़ा देते हैं।

'हरियाली और रास्ता' में माला सिन्हा-मनोज कुमार

'आराधना' में ' शर्मिला टैगोर के साथ राजेश खन्ना

फूलों से बढ़ती है दृश्यों की खूबसूरतीः फिल्मी दृश्यों में अगर फूलों के बाग हों, तो नायक-नायिका की रोमांटिक उपस्थिति इनसे और बढ़ जाती है। गीत या फिर किसी दृश्य में अगर फूल नजर आते हैं, तो उनकी सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है। इसके एक नहीं कई उदाहरण हैं। राखी और शशि कपूर पर फिल्माए गए गीत 'ओ मेरी शर्मीली' (शर्मीली) में गुलाब की रौनक है, तो शर्मिला टैगोर-राजेश खन्ना पर फिल्माए गए गीत 'कोरा कागज था ये मन मेरा' (आराधना) को और भी रोमांटिक किया है डहेलिया के फूलों ने। एवरग्रीन गीत 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू' (आराधना) में राजेश खन्ना, सुजीत कुमार जब चलती ट्रेन में बैठी शर्मिला टैगोर को छेड़ते हैं, तो शर्मिला के बालों में लगे छोटे-छोटे लाल फूल सारे माहौल को रंगीन कर देते हैं। दरअसल, फूल कोई भी हो, अगर उसे करीने से लगाया और प्रस्तुत किया जाए तो वह नायिका की खूबसूरती और गीतों-दृश्यों की रूमानियत को और भी बढ़ा देता है।

'अपना देश' में मुमताज-राजेश खन्ना

मुमताज का यूनीक गजरा-स्टाइलः मुमताज ऐसी अभिनेत्री रही हैं, जो अपनी स्टाइलिंग के कारण आज भी युवा पीढ़ी के लिए फैशन आइकॉन हैं। राजेश खन्ना-मुमताज की फिल्म 'अपना देश' के गीत 'कजरा लगा के, गजरा सजा के बिजुरी गिरा के जइयो न' में मुमताज ने जिस तरह से बेला के फूलों से बना गजरा लगाया, वह आज भी अनेक महिलाओं के लिए एक मानक बना हुआ है। आज भी शादी या किसी अन्य समारोह में जब कोई महिला गजरा लगाती है, तो ज्यादातर उसका स्टाइल मुमताज जैसा ही होता है। इसी फिल्म का एक अन्य गीत है, 'सुन चंपा, सुन तारा, कोई जीता, कोई हारा' जिसमें मुमताज अपने चिर-परिचित अंदाज में अभिनय की रौनक बिखेरती हैं। उनके साथ-साथ कोरस गाने वाली साइड आर्टिस्ट्स ने भी बालों में फूल लगाए हैं। पूरे गीत में बालों में लगे फूलों से जो समा बंधा है, वह देखते ही बनता है।

1973 में आई फिल्म 'लोफर' में फरीदा जलाल की शादी में लाल शरारा कुर्ते पर बालों में गजरा लगाकर मुमताज ने बता दिया कि अगर फूलों का गजरा लगाना हो, तो स्टाइल क्या होगी। इसी फिल्म के सुपरहिट गीत 'मैं तेरे इश्क में मर न जाऊं कहीं' में उन्होंने फूलों के प्रिंट से सजी साड़ी पर सफेद गुलदाउदी लगाकर दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया था।

'ब्लैकमेल' में राखी के साथ धर्मेंद्र

'शर्मीली' के एक गीत में राखी-शशि कपूर

फूलों से निखरी इनकी भी खूबसूरतीः 'आज मैं जवान हो गई हूं' (मैं सुंदर हूं) गीत में लीना चंदावरकर, 'पल-पल दिल के पास कोई रहता है' (ब्लैकमेल) में राखी की खूबसूरती और उनकी उपस्थिति को फूलों ने और भी सुंदर-मोहक बना दिया। फिल्म 'हरियाली और रास्ता' में मनोज कुमार और माला सिन्हा पर फिल्माया गया गीत 'बोल मेरी तकदीर में क्या है' में माला सिन्हा ने अपने बालों को गुलदाउदी से इस प्रकार से सजाया है कि उनकी मंद-मंद मुस्कान की मोहकता और भी बढ़ गई। आगे चलकर साल 1992 में रिलीज फिल्म 'तहलका' के 'दिल दीवाने का डोला दिलदार के लिए' में अभिनेत्री ने अपनी पूरी चोटी को फूलों में गुंथकर ऐसा स्टाइल बनाया कि सालों तक यह फैशन शादियों में दुल्हन के सिर चढ़कर बोला।

फूलों वाले ये सदाबहार गीतः बात फिल्म और फूलों की चली है तो यहां एक और बात का जिक्र करना जरूरी हो जाता है। हिंदी फिल्मों में जहां एक ओर अभिनेत्रियों ने अपनी हेयर स्टाइलिंग के लिए फूलों का प्रयोग किया, तो शायरों/गीतकारों ने अपने गीतों में फूलों का खूब और बखूबी इस्तेमाल किया, कभी सीधे-सीधे तो कभी प्रतीक के रूप में। 'आरजू' फिल्म का गीत 'ऐ फूलों की रानी बहारों की मलिका', 'सूरज' का गीत 'बहारो फूल बरसाओ, मेरा महबूब आया है', 'सरस्वती चंद्र' का 'फूल तुम्हें भेजा है खत में', 'प्रेम पुजारी' का 'फूलों के रंग से' जैसे तमाम ऐसे गीत हैं, जो आज भी महफिलों में बजते हैं। सोशल मीडिया के दौर में भी इन सदाबहार गीतों पर खूब वीडियोज बनाए जाते हैं और समय-समय पर ये गाने ट्रेंड भी करते हैं। k

इंवेंशन
डॉ. दीपक कोहली

भविष्य में ग्रीन एनर्जी उत्पादन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है आर्टिफिशियल लीफ। इस दिशा में देश-विदेश में लगातार प्रयोग किए जा रहे हैं। इस बारे में आप भी जानिए।

ग्रीन एनर्जी का फ्यूचर आर्टिफिशियल लीफ

आज विज्ञान और नवाचार का युग है। बदलते परिवेश में जब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब वैज्ञानिक नई दिशाओं की खोज में जुटे हैं। इसी खोज की परिणति है, कृत्रिम पत्ता या आर्टिफिशियल लीफ। यह एक ऐसा आविष्कार है, जो मानव सभ्यता को स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा प्रदान करने की दिशा में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

पेड़ों के हरे पत्ते जब सूर्य के प्रकाश की ऊर्जा को उपयोग में लाते हुए कार्बन डाइऑक्साइड और जल से भोजन बनाते हैं, तो उस प्रक्रिया को प्रकाश संश्लेषण कहा जाता है। इस प्रक्रिया में सूर्य की ऊर्जा रासायनिक ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है। यही सिद्धांत आर्टिफिशियल लीफ का आधार बना। यह एक ऐसा उपकरण है, जो सूर्य की किरणों की सहायता से जल को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करता है।

ऐसे करता है कामः आर्टिफिशियल लीफ या कृत्रिम पत्ते का ढांचा सामान्य पत्ते जैसा ही होता है, किंतु इसमें विशेष प्रकार के प्रकाश-संवेदी पदार्थ और उत्प्रेरक धातुएं लगाई जाती हैं, जो सूर्य की ऊर्जा को अवशोषित कर रासायनिक अभिक्रियाएं प्रारंभ करती हैं। इस प्रक्रिया में जब सूर्य का प्रकाश कृत्रिम पत्ते पर पड़ता है, तो यह जल के अणुओं को विभाजित कर देता है। परिणामस्वरूप हाइड्रोजन और ऑक्सीजन उत्पन्न होती है। प्राप्त हाइड्रोजन को संग्रहित कर स्वच्छ ईंधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

विदेशी विवि में हुए प्रयोगः सबसे पहले हार्वर्ड विश्वविद्यालय (अमेरिका) के वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल लीफ का सफल प्रयोग किया। उन्होंने सिलिकॉन और निकिल जैसे तत्वों का उपयोग करके ऐसा उपकरण बनाया, जो साधारण सूर्य के प्रकाश में भी जल को विभाजित करने में सक्षम था। इसके बाद मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी), कैंब्रिज विश्वविद्यालय और टोक्यो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भी इस दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया।

भारत में भी हो रहे अनुसंधानः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा कृत्रिम पत्ता विकसित किया है, जो बहुत कम सूर्य प्रकाश में भी काम कर सकता है। यह पानी से हाइड्रोजन उत्पन्न करता है। इसी प्रकार भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंग्लुरू ने कृत्रिम पत्तों में नैनो-प्रौद्योगिकी का उपयोग कर उनकी कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उनके द्वारा विकसित कृत्रिम पत्ते पर्यावरणीय कारकों, जैसे तापमान और आर्द्रता के बावजूद स्थिर रहते हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली और राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे भी इस दिशा में निरंतर कार्यरत हैं।

भविष्य के लिए उपयोगीः आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है, ऊर्जा का बढ़ता हुआ उपभोग और घटते पारंपरिक स्रोत। कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे स्रोत सीमित हैं और प्रदूषण के बड़े कारण भी। इसके विपरीत, आर्टिफिशियल लीफ सूर्य की असीम ऊर्जा का उपयोग करती है, जो निःशुल्क और अनंत है। यदि इस तकनीक का बड़े पैमाने पर उत्पादन और उपयोग संभव हो सका, तो आने वाले समय में हर घर स्वयं अपनी ऊर्जा उत्पन्न कर सकेगा। k